सूर्योदय दि. 28-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

एक्सरसाइज की शुरूआत करने में... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 239 नई दिल्ली, रविवार 28 नवम्बर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

कोरोना ओमिक्रॉन वैरिएंट : मोदी ने दिये एहतियात बरतने के निर्देश

कई देशों ने लगाई उड़ानों पर पाबंदी

वाशिंगटन, नई दिल्ली.एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना वायरस (कोविड-19) के नये रूप ओमिक्रान ने दुनियाभर में लोगों की चिंता बढ़ा दी। कोरोना के इस रूप के कारण वैश्विक स्तर पर फैले भय के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस जानलेवा विषाणु की वर्तमान स्थिति और इससे निपटने को लेकर शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। श्री मोदी ने अधिकारियों को भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की योजना की समीक्षा करने और इस दिशा में सावधानी से बढ़ने के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार इस बैठक में अधिकारियों ने श्री मोदी को कोविड-19 के दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप ओमिक्रॉन की जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के नये रूप को 'ओमिक्रॉन' नाम दिया है। बयान के अनुसार श्री मोदी ने अधिकारियों को नये खतरे को देखते हुए बचाव पर और अधिक ध्यान दिए जाने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए उभरते साक्ष्यों (कोविड-19 के नए रूप) को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर पाबंदियों में ढील देने की योजना की समीक्षा की जाए। बैठक में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कोविड महामारी के नये खतरे को देखते हुए लोगों को मास्क पहने तथा सार्वजनिक जगहों पर एक दूसरे के साथ दूरी बना कर रखने जैसी सावधानियों का पूरा अनुपालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने ने कहा है कि 'जोखिम वाले देशों' से आने वाले हर यात्री की कड़ाई के साथ घोषित नियमों और निर्देशों के अनुसार चिकित्सीय जांच करायी जाएगा। दक्षिण अफ्रीका में मिला कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रान काफी तेजी से दुनिया के अन्य देशों में फैल रहा है। हाँगकाँग और बोत्सवाना के बाद शुक्रवार को इजराइल और बेल्जियम में इस वैरिएंट से संक्रमित लोग मिले हैं। इसके बाद ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और नीदरलैंड ने अफ्रीकी देशों से आनी वाली फ्लाइट्स पर पाबंदी लगी दी। अब अमेरिका, सऊदी अरब, श्रीलंका, ब्राजील सहित कई अन्य देशों ने भी अफ्रीकी देशों की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने दक्षिण अफ्रीका से यात्रा को प्रतिबंधित करने वाली आधिकारिक घोषणा पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं जो कि सोमवार दोपहर बाद 12: 01 बजे से प्रभावी होगी। प्रोटोकॉल के अनुसार यह आदेश उन पर लोगों पर लागू होगा, जो अमेरिका में प्रवेश करने के 14 दिन पहले बोत्सवाना, इस्वातिनी, लेसोथो, मलावी, मोजाम्बिक, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में मौजूद थे। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने नौ दक्षिण अफ्रीकी देशों की सभी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत ने हालांकि अब तक किसी देश की उड़ान पर पाबंदी नहीं लगाई है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बंगलादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरिशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, इजरायल, हाँगकाँग और ब्रिटेन समेत यूरोप के कुछ देशों से आने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा।

मोदी ने अधिकारियों को भारत में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की योजना की समीक्षा करने और इस दिशा में सावधानी से बढ़ने के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार इस बैठक में अधिकारियों ने श्री मोदी को कोविड-19 के दक्षिण अफ्रीकी स्वरूप ओमिक्रॉन की जानकारी दी।

विधायिका कानून के प्रभाव का नहीं करती आकलन

जिससे बड़े मुद्दों का होता है जन्म : सीजेआइ रमना

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने शनिवार को विधायिका द्वारा कानूनों को पारित करने से पहले उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन नहीं करने के मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ऐसा होता है। एक और मुद्दा यह है कि विधायिका अध्ययन नहीं करती है या कानूनों के प्रभाव का आकलन नहीं करती है। यह कभी-कभी बड़े मुद्दों की ओर ले जाता है।

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 की शुरूआत इसका एक उदाहरण है। अब पहले से ही बोझ इन हजारों मामलों में मजिस्ट्रेटों पर और बोझ पड़ता है। संविधान दिवस समारोह के समापन समारोह में बोलते हुए सीजेआइ रमना ने यह भी कहा कि लोगों को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपने अधिकारों के बारे में अनजान हैं, तो वे इससे लाभ का दावा नहीं कर सकते हैं। सीजेआइ ने आगे कहा कि हम संविधान को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी भी संविधान के बारे में और अधिक समझ फैलाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को राज्य के विभिन्न अंगों को सौंपी गई भूमिकाओं के दायरे और सीमाओं को जानने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें मौजूदा गलतफहमियों को दूर करने की जरूरत है। इस देश में कई लोग मानते हैं कि यह अदालतें हैं जो कानून बनाती हैं। इस धारणा से संबंधित गलतफहमी का एक और सेट है कि अदालतें उदारवादी बरी और स्थगन के लिए जिम्मेदार हैं। रमना ने कहा कि हालांकि, सच्चाई यह है कि सरकारी वकील, अधिवक्ता और पक्ष सभी को न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करना होगा। असहयोग, प्रक्रियात्मक चूक और दोषपूर्ण जांच के लिए अदालतों को दोष नहीं दिया जा सकता है। सीजेआइ ने कहा कि मौजूदा अदालतों को एक विशेष बुनियादी ढांचे के निर्माण के बिना वाणिज्यिक अदालतों के रूप में रीब्रांड करने से लंबित मामलों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सीजेआइ रमना ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कानूनी पेशे में महिलाओं के प्रवेश को लगातार प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने न्यायपालिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का आह्वान किया।

> **नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 की शुरूआत इसका एक उदाहरण है। अब पहले से ही बोझ इन हजारों मामलों में मजिस्ट्रेटों पर और बोझ पड़ता है। संविधान दिवस समारोह के समापन समारोह में बोलते हुए सीजेआइ रमना ने यह भी कहा कि लोगों को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है।**

एक नज़र

जी.वी. मावलंकर को संसद में श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नई दिल्ली (एजेंसी) लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री जी.वी. मावलंकर को उनकी जयंती पर शनिवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में श्रद्धांजलि दी गई।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, संसद सदस्यों और पूर्व सांसदों ने श्री मावलंकर के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सभी विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा श्री मावलंकर के जीवनवृत्त पर आधारित पुस्तिका की अंग्रेजी और हिंदी प्रति भेंट की गई। लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव पी.सी. मोदी ने भी श्री मावलंकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राहुल की कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर सरकार को सचेत रहने की भी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर भारत सरकार को सचेत रहने की सलाह देते हुए कहा है कि यह खतरनाक है और इससे निपटने के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना का नये वैरिएंट मिला है जो बहुत गंभीर है और इसको लेकर किसी भी तरह की लापरवाही सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है इसलिए सरकार को समय रहते कदम उठाने की जरूरत है।

श्री गांधी ने इस वैरिएंट को लेकर ट्वीट कर कहा, नया स्वरूप बहुत गंभीर खतरा है। यही सही वक्त है जब भारत सरकार सभी देशवासियों को वैक्सीन सुरक्षा प्रदान करने के बारे में गंभीरता से काम करे। एक व्यक्ति की तस्वीर के पीछे टीकाकरण के खराब आंकड़े को ज्यादा देर तक छिपा के नहीं रखा जा सकता। इसके साथ ही एक आंकड़ा भी दिया है जिसमें कहा गया है कि देश में पूरी तरह टीकाकृत आबादी 31.19 प्रतिशत, पिछले सप्ताह हर दिन 68 लाख लोगों को लगा टीका जबकि दो करोड़ लोगों को हर दिन टीका लगाना चाहिए।

आवासीय भवनों की वास्तुकला पर पुनर्विचार की आवश्यकता : नायडू

नई दिल्ली.विजय कुमार

उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आवासीय भवनों की वास्तुकला पर पुनर्विचार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि स्वस्थ जीवन के लिए इनमें वायु आवागमन और धूप की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। श्री नायडू ने शनिवार को 'इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी' पर दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए कहा कि घरों की योजना और निर्माण के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए ताकि मकानों के भीतरी हिस्सों में उचित वायु आवागमन और धूप सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी से यह फिर सिद्ध हो चुका है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं वह हमारे स्वास्थ्य को निर्धारित करती है। उपराष्ट्रपति ने उन शोध अध्ययनों का उल्लेख किया जो दिखाते हैं कि सामान्य सांस लेने या बात करने से भी वायरस हवा में फैल सकता है। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थान पर स्थिर हवा के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के लिए उच्च संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है।

उन्होंने कहा कि मकानों में ताजी हवा के साथ साथ धूप की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए। श्री नायडू ने कहा कि लोग महामारी के बाद श्वसन स्वास्थ्य के महत्व के बारे में अधिक जागरूक हैं। उप राष्ट्रपति ने बड़े शहरों में, विशेषकर सर्दियों के महीनों में, बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की। जलवायु परिवर्तन और वाहनों के प्रदूषण को प्रमुख कारकों के रूप में इंगित करते हुए उन्होंने लोगों से अपनी जीवन शैली का मूल्यांकन करने और अपने कार्बन उत्सर्जन को यथासंभव कम करने को प्रयास करने का भी आह्वान किया।

जिन्ना के अनुयाईयों को उत्तर प्रदेश की जनता सबक सिखाने को तैयार : आदित्यनाथ योगी

जौनपुर.ओपन सर्च

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिये बिना उन्हें 'जिन्ना का अनुयायी' बताते हुए शनिवार को कहा कि जिन्ना के अनुयाईयों को प्रदेश की जनता सबक सिखाने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने आज जौनपुर में टीडी कालेज के मैदान पर आयोजित काशी प्रांत के 16 जिलों के 30 हजार 286 बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अखिलेश यादव ने तो भारत विभाजन के जिम्मेदार एवं पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की तुलना महात्मा गांधी, सरदार पटेल और पं नेहरू से करते हुये कहा था कि आजादी की लड़ाई में जिन्ना की भी प्रमुख भूमिका थी। भाजपा ने उनके इस बयान की आलोचना करते हुये इसे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा बताया है। योगी ने प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई वाली सरकार द्वारा तेज किये गये विकास कार्यो को ऐतिहासिक बताते हुये कहा कि भारत के नागरिकों ने एक बदलते हुए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत को बनते देखा है। वर्ष 2017 के पूर्व सत्ता में रहने वाले भ्रष्टाचार फैला कर विकास बाधित करते थे, युवाओं की नौकरी पर डकैती डालते थे, और दंगे करा कर के झूठे मुकदमे में राष्ट्रवादियों को फंसाते थे। साढे 4 साल में भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में प्रदेश में दंगा, अपहरण व अराजकता की घटनाएं नहीं हुई, इससे परेशान होकर जिन्ना को महिमामंडित करने उन्होंने कहा कि कोरोना काल में कांग्रेस, सपा और बसपा के लोग कहां थे ? केंद्र व प्रदेश सरकार जनता की सेवा कर रही थी तब यह लोग होम आइसोलेशन में थे, अब जनता इन्हें 2022 के चुनाव में होम आइसोलेशन में कर देगी। प्रदेश सरकार अपराधियों और माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है और उनके यहां जब बुलडोजर चलता है तो कुछ लोगों को बुरा लगता है, मगर शांति प्रिय लोगों को यह कार्य बहुत अच्छा लगता है। मुख्यमंत्री श्री योगी ने कहा कि बूथ कार्यकर्ताओं की उत्साह को देखते हुए लग रहा है कि उत्तर प्रदेश में 2022 में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी ।

अंगदान में तीसरे स्थान पर है भारत

नई दिल्ली.ओपन सर्च

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि अंगदान के संबंध में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन मांग और आपूर्ति में

व्यापक अंतर गंभीर चिंता का विषय है। श्री मांडविया ने आज यहां 12 वें अंगदान दिवस पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जीते जी रक्तदान, मरने के बाद अंगदान यह जीवन का आदर्श वाक्य होना चाहिए।

इस अवसर पर मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार भी उपस्थित थी। श्री मांडविया ने कहा कि देश की मांग अंगदान से कहीं अधिक है। इसलिए अंगदान के संबंध में अधिक से अधिक जागरूकता फैलायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन के वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, भारत में अंगदान वर्ष 2013 में 4990 से बढ़कर वर्ष 2019 में 12746 हो गया है और भारत अब अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इस तरह अंगदान की दर 2012-13 की तुलना में करीब चार गुना बढ़ गई है। अभी भी हालांकि प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों की संख्या और मृत्यु के बाद अंग दान करने के लिए सहमति देने वाले लोगों की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर हैं। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति शुभ और लाभ पर जोर देती है, जहां व्यक्तिगत भलाई समुदाय की अधिक भलाई के साथ निहित है।

उन्होंने कहा कि पूरे समाज, डॉक्टरों, जागरूक नागरिकों, सरकारों और यहां तक कि मीडिया को अंगदान की झिझक को दूर करने और देश भर में अंगदान बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाने की जरूरत है।

निर्माण श्रमिकों के साथ खड़ी केजरीवाल सरकार

प्रदुषण के कारण निर्माण गतिविधियाँ बंद होने के एवज में सहायता राशि के रूप में जारी किए 350 करोड़ रूपये

विजय कुमार.ओपन सर्च

दिल्ली के 7 लाख निर्माण श्रमिकों के खातों में 5000-5000 रूपये भेज रही केजरीवाल सरकार, शनिवार को 2,95,000 खातों में भेजी सहायता राशि, बाकि श्रमिकों के खातों में भी 2 दिन में पहुँच जाएगी सहायता राशि

समय-समय पर श्रमिकों की मदद करने वाली देश की पहली सरकार है केजरीवाल सरकार, कोरोना काल में भी सरकार ने 2 बार श्रमिकों को दी थी 5000-5000 रुपये की सहायता राशि

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली के निर्माण श्रमिकों के साथ कंधे से कन्धा मिलकर खड़ी है। वायु प्रदुषण के कारण दिल्ली में निर्माण गतिविधियों के बंद होने से निर्माण श्रमिकों की आजीविका रुक गई है जिसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली के सभी 7 लाख रजिस्टर्ड निर्माण श्रमिकों को 5000-5000 हज़ार रूपये की सहायता राशि देने का एलान किया और इसके लिए 350 करोड़ रूपये जारी किए।

केजरीवाल सरकार द्वारा शनिवार को 2.95 लाख निर्माण श्रमिकों के खातों में सहायता राशि भेजी गई। बाकि श्रमिकों के खातों में भी 2 दिन में सहायता राशि भेज दी जाएगी। केजरीवाल सरकार, समय-समय पर इस प्रकार श्रमिकों की मदद करने वाली देश की पहली सरकार है। । कोरोना के दौरान भी दिल्ली सरकार ने 2 बार निर्माण श्रमिकों के खातों में 5000-5000 हज़ार रुपयों की सहायता राशि भेजी थी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार निर्माण श्रमिकों के साथ हर कदम पर खड़ी है। श्रमिक देश के रीढ़ की हड्डी है, जो देश को मजबूत करते है। मजदूर खड़े है तो हमारी इमारतें खड़ी है, शहर खड़े है। इसलिए श्रमिकों के सम्मान व हितों का ध्यान रखना हमारी सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बेशक निर्माण गतिविधियों पर रोक लगी है लेकिन श्रमिक भाइयों-बहनों के घरों में चूल्हे जलते रहेंगे दिल्ली सरकार उनकी हर संभव मदद करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक दिल्ली में निर्माण गतिविधियां बंद हैं उस दौरान निर्माण बोर्ड के साथ पंजीकृत नहीं होने वाले निर्माण श्रमिकों को पंजीकृत करने के लिए सरकार पूरी दिल्ली में बड़े रजिस्ट्रेशन कैंप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन ड्राइव चलाएगी। इस कदम से दिल्ली सरकार को दिल्ली में सभी निर्माण श्रमिकों को सहायता देने में मदद मिलेगी। दिल्ली में अभी 10 लाख निर्माण श्रमिक है, जिनमें से 7 लाख रजिस्टर्ड है। दिल्ली सरकार अपने रजिस्ट्रेशन ड्राइव की मदद से जल्द से जल्द बाकि बचे निर्माण श्रमिकों को भी बोर्ड से रजिस्टर्ड करेगी। ताकि सभी श्रमिकों को दिल्ली सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए शुरू किए गए योजनाओं का लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली निर्माण श्रमिक बोर्ड के साथ अभी 6 लाख श्रमिक रजिस्टर्ड है और लगभग 1 लाख श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन प्रोसेस में है जिन श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन अभी प्रोसेस में है, रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद उनके खातों में भी 5000-5000 हज़ार रूपये की सहायता राशि भेज दी जाएगी

कोविड टीकाकरण में 121 करोड़ टीके लगे

नई दिल्ली (एजेंसी) देश में कोविड टीकाकरण में पिछले 24 घंटे के दौरान 73.58 लाख से अधिक कोविड टीके लगे। इसके साथ ही 121 करोड़ से अधिक टीके लगाये जा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटों में देश में 73 लाख 58 हजार 17 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके सायं ही आज सुबह सात बजे तक 121 करोड़ छह लाख 58 हजार 262 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड के 10,967 नए मामले सामने आए हैं। इसी अवधि में 8318 कोविड मरीज ठीक हुए हैं। देश में अभी तक तीन करोड 39 लाख 88 हजार 797 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

स्वस्थ होने की दर 98.34 प्रतिशत है। देश में अभी एक लाख सात हजार 17 संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है। यह संक्रमित मामलों का 0.31 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.89 प्रतिशत है।

एक नज़र

घर के दरवाजे पर बैठे युवक को वैन सवार बदमाशों ने मारी गोली, वारदात को अंजाम देकर हुए फरार

औरैया (एजेंसी) अछल्दा थाना क्षेत्र के गांव लिधौरा में शनिवार को उस समय हडकंप मच गया जब पूर्वाह्न दरवाजे पर बैठे एक युवक को वैन सवार बदमाशों ने गोली मार दी। हवाई फायरिंग करने के बाद हमलावरों ने घटना को अंजाम दिया और उसके बाद वहां से फरार हो गए। गंभीर हालत में युवक को सीएचसी लाया गया। जहां से उसे सैफई रेफर कर दिया गया।

थाना क्षेत्र के लिधौरा गांव निवासी जहीर खान 40 वर्ष पुत्र नजीद खान अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी वैन सवार हमलावरों ने हवाई फायरिंग करने के बाद उसे गोली मार दी और भाग गए। आधा दर्जन करीब हमलावर थे। कई राउंड हवाई फायरिंग करने के बाद जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। जो उसकी कमर में जा लगी है। सूचना पर गांव पहुंची पुलिस घायल युवक को आनन फानन सीएचसी लाई।

चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विवि सैफई रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि एसएसआइ भागीरथ सिंह ने घायल से पूछताछ की। उसका कहना है कि उसकी किसी से रंजिश नहीं थीं। सीएचसी चिकित्सक डा. गौरव कुमार ने बताया कि नाजुक हालत में घायल को सैफई रेफर कर दिया गया है।

पीलीभीत में छात्रा से दुष्कर्म के आरोपित सहायक प्राध्यापक का कराया गया चिकित्सकीय परीक्षण

बरेली (एजेंसी) पीलीभीत में छात्रा से दुष्कर्म करने का आरोपित महिला महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक को पुलिस जिला अस्पताल ले गई और वहां उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया। इसके बाद आरोपित का चालान करके न्यायालय में पेश करने की तैयारी है।आरोपित सहायक प्राध्यापक को पुलिस ने शुक्रवार की शाम शहर में ईदगाह क्रासिंग के निकट गिरफ्तार किया था। उसे सदर कोतवाली में ले जाकर घटना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर पुलिस अधिकारियों ने कई घंटे तक पूछताछ की।

शनिवार को पूर्वाह्न पुलिस टीम आरोपित सहायक प्राध्यापक को लेकर जिला अस्पताल पहुंची। वहां चिकित्सकों ने आरोपित का चिकित्सकीय परीक्षण किया। सीओ सिटी सुनील दत्त शर्मा के अनुसार आरोपित का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है। अब चालान करके उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीओ सिटी के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपित लगातार खुद को निर्दोष बताता रहा। उसने यह भी तर्क किया कि इससे पहले वह जहां जहां महाविद्यालयों में कार्यरत रहा है, उन स्थानों पर उसके चाल चलन के बारे में जांच करा ली जाए। छात्रा का कराया गया मेडिकल परीक्षण : दुष्कर्म पीड़ित छात्रा से मिलने प्रशिक्षु सीओ ज्योति यादव व महिला थाना की प्रभारी रीना सिंह शुक्रवार को उसके घर पहुंचीं।

छात्रा से बातचीत करने के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराने के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। सदर कोतवाली में वरिष्ठ उप निरीक्षक, विवेचक सदाकत अली के अनुसार पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया। एक्सरे नहीं हो पाया है। अब पीड़िता का शनिवार को एक्सरे कराया जाएगा। इसके उपरांत न्यायालय में मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके बयान कलमबंद कराए जाएंगे।

मेरठ में युवती के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी, एक करोड़ रुपये की डिमांड

मेरठ (एजेंसी) मेरठ के मवाना में तिगरी गांव निवासी युवक ने फोटोशाप के जरिए युवती के अश्लील फोटो बना लिए। अब उन्हें वायरल करने की धमकी देकर युवती के पिता से एक करोड़ रुपये मांग रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें उन्होंने बताया कि वह एक स्कूल चलाते हैं।

इसमें तिगरी निवासी अंकित तोमर कमीशन लेकर बच्चों के दाखिले करवाता था। अभिभावकों से अवैध वसूली की शिकायत पर उसे स्कूल से हटा दिया था। इसके बाद आरोपित ने बेटी और बेटे की हत्या करने की धमकी देकर 20 लाख रुपये वसूल लिए। अब अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर एक करोड़ रुपये मांग रहा है। आरोपित ने फोटो युवती के पिता को भी वाट्सएप पर भेज दिए। इंस्पेक्टर विष्णु कौशिक ने बताया कि आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दबिश दी गई, लेकिन वह फरार हो गया। आरोपित की जल्द गिरफ्तारी होगी।

महिला से छेड़छाड़ के विरोध पर खूनी संघर्ष हो गया। मारपीट-पथराव में चार महिलाओं समेत नौ लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराते हुए घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि पड़ोस में ही एक व्यक्ति किराये पर रहता है। आरोप है कि काफी समय से वह उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा है। स्वजन से शिकायत पर उसने माफी मांग ली थी, लेकिन शुक्रवार रात शराब पीकर उसके साथ अभद्रता कर दी।

स्वजन आरोपित से विरोध जताने पहुंचे तो उसने साथियों को बुला लिया, जिस पर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। देखते ही देखते पथराव होने लगा। पीड़ित पक्ष ने आरोपितों पर घर में घुस तोडफ़ोड़ करने का भी आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत करते हुए घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात तक दोनों पक्षों के लोग थाने में एकत्र थे। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों का उपचार कराया जा रहा है। दोनों ही पक्ष तहरीर दे रहे हैं। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई में बारात देखने गए छात्र का नाले में मिला शव, परिवारीजन ने लगाया हत्या का आरोप

हरदोई (एजेंसी) सांडी क्षेत्र में शुक्रवार रात घर से बारात देखने गए छात्र का शव नाले में पड़ा मिला। उसके ऊपर बोरा पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। उसके शरीर पर चोटों के निशान हैं, जिससे हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। मोहल्ला सैयदवाड़ा के पक्के बाग का सत्यम कक्षा छह का छात्र था। पिता ज्वाला प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार

रात मुंशीगंज के रहने वाले मुकेश सैनी की बेटी की बारात थी जो सत मठिया मंदिर में थी। सत्यम घर से बारात देखने के लिए गया था।

देर रात जब सत्यम घर वापस नहीं आया तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। शनिवार की सुबह मंदिर के निकट नाले में बोरे के नीचे छात्र का शव पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी पर सनसनी फैल गई और पुलिस को जानकारी दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिवारवालों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। छात्र के शरीर पर सिर, चेहरे और गले पर चोटों के निशान हैं, जिससे परिवार के लोग हत्या कर नाले में शव फेंकने की बात कह रहे हैं। उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल कर रहे हैं।

पिता की नहीं कोई दुश्मनी : ज्वाला प्रसाद ने बताया की कि किसी से भी दुश्मनी नहीं है और ना ही कभी किसी से लड़ाई हुई अब पुलिस इस बात की जांच पड़ताल कर रही है कि आखिर छात्र की हत्या क्यों और किसने की है। ननिहाल में रहकर करता था पढ़ाई : सत्यम का गौसगंज के बलियापुर में ननिहाल है पिता ने बताया कि एक माह पूर्व सत्यम की तबीयत खराब हो गई थी जिसके बाद वह लोग सत्यम को घर ले आए थे जिसके बाद से सत्यम घर पर ही रह रहा था।

गोंडा में सीएम योगी बोले- भाजपा सरकार के कार्यकाल में हमने आतंकियों को उनकी मांद में ही घुसकर मारा

गोंडा (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोंडा को बड़ा तोहफा दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ यहां मैजापुर चीनी मिल में 26 हेक्टेयर क्षेत्र में बनने वाले देश के सबसे बड़े एथेनॉट प्लांट का शिलान्यास किया। यह प्लांट मई 2022 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

यहां पर गन्ने के जूस ब्रोकन राइस से एथेनॉल बनेगा। इससे 60 हजार किसानों को फायदा मिलने के साथ ही 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने यहां पर मौजूद किसानों को भी सरकार की प्राथमिकता के साथ ही अब तक के सरकार के कार्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसानों की ओर कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में किसान आत्महत्या कर रहा था। अपनी मेहनत से वह अन्न उत्पादन कर रहा था, लेकिन उसके क्रय की कोई व्यवस्था नहीं थी। जनता भूख से मरती थी। किसान अपनी उपज का सही मूल्य न मिलने के कारण आत्महत्या के लिए विवश होता था। प्रदेश में गुंडा गर्दी होती थी। दंगे होते थे। यहां अराजकता व्याप्त थी। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने प्रदेश की तकदीर व तस्वीर बदलने का काम किया है।

आज चीनी मिलों के गन्ना मूल्य का समय से भुगतान की कार्रवाई हो या फिर गेहूं, धान के क्रय केंद्र की स्थापना की बात हो। अकेले गोंडा जिले में 92 हजार क्विंटल से भी अधिक का गेंहू क्रय हुआ है। इसका भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया गया है। किसान की उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य से जोड़ा जा रहा है। अब तो किसान अपने खेत में गन्ने के साथ ही अन्य खेती कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसानों की उपज को आढ़ती खरीदते थे। मुनाफा आढ़ती कामता था। किसान ठगा

हुआ महसूस करता था। आज हर किसान को न्यूनतम समर्थन योजना का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ जाते थे तो इसका कुछ हिस्सा भारत विरोधी गतिविधियों में कार्य करने वाले लोग मुनाफे के तौर पर ले जाते थे। हमारा ही पैसा हमारे खिलाफ दुरुपयोग किया जाता था। अब स्थितियां बदल गई है। प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में अब किसान खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोंडा में एशिया का सबसे बड़ा एथनाल प्लांट यहां पर बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में ऐसी सरकार थी, जो पर्व व त्योहार में दंगा करवा देती थी। यहां तो सरकार अयोध्या में रामजन्म भूमि पर बड़ा हमला करने वाले कई आतंकियों के मुकदमे को वापस लेती थी। भाजपा की सरकार आने के बाद पर्व व त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पर्व व त्योहार के आगे कोरोना भी मात खा गया।

आस्था के आगे कोरोना परास्त हो गया। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है। भाजपा की सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में देश के साथ ही प्रदेश में आंतकवादियों को उनकी मांद में घुस-घुसकर मारा गया। पिछली सरकार में आतंकवादियों के मुकदमे को वापस लिया जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो दंगाई है, जिन्ना के अनुयायी है वह गन्ने की मिठास को क्या समझ पाएंगे। पहले भाई भतीजावाद के नाम पर काम होते थे। अपने पराये के नाम पर काम किया जाता था। अब स्थितियां बदल गई है। प्रदेश सरकार आज हर गरीब के कल्याण के लिए काम कर रही है। आवास दे रही है, खाद्यान्न दे रही है। कल्याण पर फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गरीबों को पहले योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। वर्ष 2017 से पहले सारा राशन सैफई चला जाता था।

अब सरकार बदली तो हर किसी को सुविधाएं मिलने लगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार थी। वह जब गोखपुर के सांसद थे। उस वक्त कुशीनगर में भूख से मौत हुई थी। वह मौके पर गए, जब पता किया तो जानकारी हुई कि उनका कार्ड सपा के किसी पदाधिकारी के पास था। वह गरीबों का राशन लेता था। सोनभद्र, चित्रकूट में भूख से मौत हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश में न तो कोई दंगा हुआ, न ही किसान ने आत्महत्या की। न ही भूख से किसी की मौत हुई।

बरेली में मेडिकल स्टोर पर भी बिक रही अफीम,एसटीएफ ने तस्कर को गिरफ्तार करके किया राजफाश

बरेली (एजेंसी) नशे के सामान का अड्डा बनते जा रहे बरेली में अभी तक ड्रग पैडलर के जरिये ही स्मैक-अफीम और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आ रहे थे। लेकिन अब एक नए तरीके से नशे के सामान को बरेली में खपाया जा रहा है। एसटीएफ ने एक तस्कर को गिरफ्तार करके इसका राजफाश किया है।

तस्कर का खुद का मेडिकल स्टोर है, वह उसी के जरिये अफीम की सप्लाई अपने ग्राहकों तक करता था। यानी बरेली में मेडिकल स्टोर की आड़ में बड़े स्तर पर अफीम खपाई जा रही थी। नेटवर्क उत्तराखंड व अन्य शहरों तक फैल चुका था। लंबे समय से एसटीएफ सर्विलांस के जरिए आरोपित के पल पल के बारे में जानकारी ले रही थी। शनिवार को एसटीएफ ने आरोपित तस्कर को धर लिया। तस्कर भानु सुभाषनगर का रहने वाला है। वह सुभाषनगर में ही मेडिकल स्टोर चलाता है। दवाओं के बीच अफीम रख सप्लाई कर रहा था। उसे हिरासत में ले लिया गया।

टीम पूछताछ कर रही है। फूफा के बाद तस्कर भतीजे की 13.50 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करने के आदेश : ढाई लाख का इनामी तस्कर तैमूर उर्फ भोला की 13.50 करोड़ रुपए की संपत्ति अब जब्त होगी। गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने तैमूर उर्फ भोला की 13.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के आदेश दे दिए। अब तस्कर इस संपत्ति का न तो इस्तेमाल करेगा, न बेच सकेगा, न ही किसी को दान कर सकेगा। यह संपत्ति अब सरकार के कब्जे में होगी। जब्त संपत्ति पर शनिवार को पुलिस ताला डालेगी। फतेहगंज पूर्वी के पढेरा का तस्कर शहीद खां उर्फ छोटे तैमूर उर्फ भोला का फूफा है।

शहीद खां भतीजे सैफ के संग पकड़ा गया तो पता चला कि पूरा का पूरा कुनबा तस्करी के काम में लिप्त है। दो दशक से तस्करी के काम में लिप्त शहीद खां उर्फ छोटे ने न सिर्फ करोड़ों का साम्राज्य खड़ा किया बल्कि पूरे कुनबे को तस्करी के काम में लगा कर अकूत दौलत कमाई। शहीद खां से पहले तैमूर उर्फ भोला के कैरियर दिल्ली नारकोटिक्स के हत्थे चढ़े लेकिन, तैमूर फरार रहा। तैमूर के ऊपर दिल्ली पुलिस ने शुरुआत में 50 हजार का इनाम घोषित किया। फिर इनाम बढ़ाकर ढाई लाख रुपए कर दिया गया। इधर शहीद खां पर शिकंजा कस गया। पूरा कुनबा तस्करी में नामजद हो गया, जिसके बाद तैमूर उर्फ भोला ने दिल्ली की कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसी के बरेली पुलिस ने तस्कर कुनबे की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी।

विभागों से कराया संपत्तियों का मूल्यांकन : संबंधित विभागों से तस्करों की संपत्ति का मूल्यांकन कर रिपोर्ट तैयार कराई गई। सबसे पहले शहीद खां उर्फ छोटे की 51.65 करोड़ की संपत्ति चिह्नित कर सफेमा कोर्ट को भेजी गई जिसमें से सफेमा कोर्ट ने 50.99 करोड़ की संपत्ति सीज करने पर मुहर लगा दी। इधर, तैमूर उर्फ भोला पर गैंगस्टर की कार्रवाई के चलते चिह्नित उसकी 13.50 करोड़ की संपत्ति जब्त करने के लिए डीएम कोर्ट को रिपोर्ट भेजी गई जिसे शुक्रवार को जिलाधिकारी ने मंजूरी दे दी। लिहाजा अब पुलिस तैमूर उर्फ भोला की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई करेगी।

एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का कहना है कि गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के तहत तस्कर तैमूर उर्फ भोला की 13.50 करोड़ की संपत्ति जब्त करने के लिए रिपोर्ट डीएम को भेजी गई थी जिस पर मुहर लग गई है।

हरदोई में कोटेदार समेत दो लापता, गांव से 500 मीटर दूर खड़ी मिली बाइक, जांच में जुटी पुलिस

हरदोई (एजेंसी) बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र मैं कोटेदार समेत दो लोग संदिग्ध हालात में गायब हो गए उनकी बाइक गांव के रास्ते पर खड़ी मिली मौके पर पुलिस को कारतूस और खोखे भी मिले है। एसपी पश्चिमी, सीओ हरियावा और सीओ सिटी समेत भारी पुलिस बल मौके पर जांच पड़ताल कर रहे है। शिव थाना गांव के कोटेदार सभाजीत सिंह उर्फ गुड्डू सिंह अपने साथी गयादीन के साथ शुक्रवार को बाइक से भिठरिया गांव के सालिकराम के घर गए थे। देर रात दोनों बाइक से घर जा रहे थे गांव से 500 मीटर की दूरी पर पहुंचने के बाद सभाजीत सिंह ने अपने चचेरे भाई धनपति को फोन किया और कहा की दद्दू आज मार दीन गए। इसके बाद सभाजीत का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। परिवार के लोग सभाजीत को खोजने के

लिए घर से निकले तो गांव से 500 मीटर की दूरी पर उसकी बाइक खड़ी मिली। आसपास और जंगल मे उनकी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। पुलिस ग्रामीणों के साथ दोनों लोगों की तलाश कर रही है लेकिन उनका अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। एएसपी पश्चिमी दुर्गेश सिंह पुलिस टीम और फॉरेंसिक के साथ घटना पर जांच पड़ताल कर रहे हैं। एएसपी ने बताया की मौके से कुछ कारतूस और खोखे बरामद हुए हैं मामले की जांच की जा रही है जल्द ही पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

दो लोगों के संदिग्ध हालात में गायब होने से मची सनसनी : कोटेदार समेत दो लोगों के संदिग्ध हालात में गायब होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है शिव थाना गांव के साथ ही आसपास गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए हैं 12 घंटे बीत जाने के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं लगा है जिससे परिवारों में कोहराम मचा हुआ है परिवार अनहोनी की आशंका जता रहा है।

मातहत से रिश्वत मांग रहा वरिष्ठ लिपिक, एंटी करप्शन ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर (एजेंसी) मातहत से रिश्वत मांग रहे सिंचाई विभाग के वरिष्ठ लिपिक को एंटी करप्शन की टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया है। मेडिकल क्लेम पास करने के लिए वरिष्ठ लिपिक 4700 रुपये मांग रहा था। एंटी करप्शन के इंस्पेक्टर ने शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बांसगांव के डुमरी बाबू गांव निवासी अखिलेश कुमार राव गोरखनाथ स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। अखिलेश ने सितंबर माह में पत्नी को एक प्राइवेट हास्पिटल में भर्ती कराया जहां आपरेशन से बच्चा पैदा हुआ था।

इलाज में खर्च हुए 47600 रुपये का मेडिकल क्लेम लेने के लिए उन्होंने विभाग में आवेदन किया था। आरोप है कि वरिष्ठ लिपिक विनोद कुमार ने मेडिकल क्लेम पास करने के लिए 10 परसेंट घूस मांगा। रुपये न देने पर उन्होंने क्लेम नहीं पास कराया। अखिलेश कुमार ने वरिष्ठ लिपिक से कई बार गुहार लगाई लेकिन वह 4700 रुपये रिश्वत मिलने पर ही फाइल आगे बढ़ाने के लिए कहता था। परेशान होकर अखिलेश ने एंटी करप्शन में शिकायत की और अधिकारियों के कहे अनुसार विनोद कुमार को घूस की रकम देने को तैयार हो गए।शुक्रवार की दोपहर में टीम ने आरोपित बाबू को कार्यालय में घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।इंस्पेक्टर चंद्रेश यादव ने आरोपित वरिष्ठ लिपिक के खिलाफ शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।शाहपुर थानेदार संजय कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार की सुबह आरोपित को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पाली के परिषदीय विद्यालय कुसुम्हाखुर्द में खेल के दौरान कुसुम्हाखुर्द निवासी विजेन्द्र साहनी के नौ वर्षीय पुत्र प्रिंस गिर गया। इससे उसे गंभीर रूप से चोट आई। उसे इलाज के लिए सीएचसी ठर्रापार ले जाया गया।

प्रयागराज में चार लोगों की हत्या पर मायावती व अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी) प्रयागराज के फाफामऊ में दलित परिवार के चार लोगों की नृशंस हत्या के बाद अब राजनीति चरम पर है। कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के बाद अब बहुजन समाज पार्टी तथा समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के साथ ही समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने प्रयागराज के हत्याकांड को लेकर शनिवार को ट्वीट किया है। दोनों नेताओं ने उत्तर प्रदेश की खराब कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर करारा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा योगी आदित्यनाथ सरकार भी समाजवादी पार्टी के नक्शेकदम पर चल रही है। प्रयागराज की घटना यूपी की कानून व्यवस्था का सच बता रही है। बसपा मुखिया मायावती ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

उन्होंने साफ कहा कि भाजपा भी अब सपा सरकार के ही नक्शे कदम पर चल रही है। प्रयागराज में अभी हाल ही में दबंगों ने एक दलित परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। जो बता रही है कि यूपी में कानून की क्या व्यवस्था है। योगी आदित्यनाथ सरकार के सारे दावों की इस घटना ने पोल खोल दी है। मायावती ने कहा कि सरकार सभी दोषी दबंगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि इस घटना के बाद सबसे पहले बाबूलाल भांवरा के नेतृत्व में पहुंचे बसपा के प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि प्रयागराज में दबंगों का जबरदस्त आतंक है।

जिसके कारण ही यह घटना भी हुई है। बसपा की मांग है कि प्रदेश सरकार सभी दोषी दबंगों के विरुद्ध सखूत कानूनी कार्रवाई करे। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी एक ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद के फाफामऊ में दबंगों ने चार दलितों की हत्या कर दी है। यह घटना तो दलित विरोधी भाजपा सरकार पर एक और बदनुमा दाग है। घोर निंदनीय। उम्मीद है यह सभी अपराधी बिना चश्मे के भी दिख जाएंगे। प्रयागराज में मंगलवार को एक दलित परिवार के चार सदस्यों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई थी। इनके शव मंगलवार को मिले थे। परिवार के लोगों का आरोप है कि नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सभी पर हत्या, दुष्कर्म, पाक्सो और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। इस मामले में लापरवाही बरतने पर इंस्पेक्टर फाफामऊ राम केवट पटेल सहित दो अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

सांसद साक्षी महाराज ने विपक्षियों को संविधान पर दी नसीहत, कांग्रेस प्रवक्ता के लिए कही बड़ी बात

उन्नाव (एजेंसी) विपक्ष ही नहीं कभी कभी पार्टी पर भी टिप्पणी करके सुर्खियों में रहने वाले सांसद साक्षी महाराज ने एक बार फिर विरोधियों पर निशाना साधा है। अब संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह का बहिष्कार करने वालों पर बयान देकर सांसद साक्षी महाराज ने कटाक्ष किया है।

उन्होंने विपक्षियों पर संविधान का मखौल उड़ाने पर नाराजगी जताई है और दोबारा ऐसी गलती न करने की नसीहत तक दी है। वहीं जेवर एयरपोर्ट को लेकर टिप्पणी करने वाले कांग्रेस प्रवक्ता पर भी पलटवार किया है। उन्नाव से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा है कि संसद के केंद्रीय कक्ष में %संविधान दिवस% समारोह का बहिष्कार करके विपक्षी संविधान का मखौल उड़ा रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, वो हमेशा ही संविधान की धज्जियां उड़ाते रहे हैं। अगर उनकी संविधान के प्रति आस्था होती तो इस तरह की गलतियां नहीं करते। सांसद ने जेवर एयरपोर्ट के लिए किसानों की अधिगृहीत जमीन का मुआवजा न देने की बात कहने वाले कांग्रेस प्रवक्ता पर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वो किसान नहीं हैं, जो गेहूं और जौ की बालियां तक नहीं जानते और किसानों की बात करते हैं। उन्हें पता ही नहीं कि जेवर एयरपोर्ट के लिए अधिगृहीत भूमि के मालिक किसानों को सरकार चार

गुना मुआवजा दे रही है। कृषि कानूनों की वापसी : सांसद ने कहा था- बिल तो बनते रहते हैं, बिगड़ते रहते हैं, वापस आ जाएंगे, दोबारा बन जाएंगे, कोई देर नहीं लगती है। भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रथम राष्ट्र है और राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने बिल और राष्ट्र में से राष्ट्र को चुना है। सिद्धू को भी दे चुके सलाह : साक्षी महाराज ने पंजाब के कांग्रेस नेता सिद्धू को उनके पाकिस्तान के पीएम को अपना बड़ा भाई बताने वाले बयान पर भी नसीहत दे चुके हैं। कहा था कि सिद्धू के बयानों से उनकी पार्टी संकट में फंस जाती है, पर मैं संत होने के नाते सलाह देता हूं कि छोटे भाई को बड़े भाई के पास ही रहना चाहिए। वह बड़ा भाई मानते हैं तो पाकिस्तान चले जाना चाहिए। राकेश टिकैत पर कसा था तंज : साक्षी महाराज ने राकेश टिकैत पर तंज कसा था। बीते दिनों कार्यक्रम में कहा था कि राकेश टिकैत क्या कहते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। किसानों को मोदी पर भरोसा है, मोदी जो करेंगे वह राष्ट्र के हित में करेंगे। मैदान में आकर युद्ध लड़ें राहुल-प्रियंका : कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम में सांसद साक्षी महाराज ने राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा पर हमला बोला था। उन्होंने चैलेंज करते हुए कहा था की राजनीति के पप्पू को जवाब देने का कोई औचित्य नहीं है। 2022 चुनाव सामने हैं और युद्ध के मैदान में आएं युद्ध लड़ें।

खिसियानी बिल्ली नोच रही खंभा : सांसद साक्षी महाराज ने समाजवादी पार्टी की विजय यात्रा को लेकर अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा था। उन्होंने अखिलेश यादव के लिए कहा था की खिसियानी बिल्ली खंभा नोच रही है। विजय यात्रा निकालने से विजय नहीं होती है, विजय तो रामजी की कृपा से योगी और मोदी के साथ है।

एक नज़र

दिल्ली के इन 3 बड़े अस्पतालों की एसोसिएशन हड़ताल पर, ओपीडी की सेवाएं ठप

नई दिल्ली (एजेंसी) राम मनोहर लोहिया समेत दिल्ली के तीन बड़े अस्पतालों में शनिवार को ओपीडी बंद है, क्योंकि इन अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने नीट पीजी 2021 काउंसलिंग आयोजित करने में बार-बार हो रही देरी के खिलाफ हड़ताल पर चले गए हैं। इस कड़ी में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों ने NEET-PG काउसलिंग में लगातार हो रही देरी के ख़िलाफ़ प्रर्दशन किया। एक रेजिडेंट डॉक्टर ने बताया कि पहले पीजी का पहला बैच मई-जून तक आ जाता था।

आज हमने OPD सेवाओं को रोका है। मांग पूरी नहीं हुई तो हम इस प्रदर्शन को आगे लेकर जाएंगे। बता दें कि मेडिकल स्नातकोत्तर (पीजी) में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट)-पीजी की काउंसलिंग में हो रही देरी से रेजिडेंट डाक्टर नाराज हैं। फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने 27 नवंबर से देश भर के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी में हड़ताल करने की घोषणा भी कर दी है। इस वजह से रेजिडेंट डाक्टर ओपीडी में ड्यूटी पर मौजूद नहीं रहेंगे। हालांकि, इमरजेंसी व वार्ड में रेजिडेंट डाक्टर ड्यूटी पर मौजूद रहेंगे। इसलिए इमरजेंसी सेवा व अस्पतालों में भर्ती मरीजों का इलाज प्रभावित नहीं होगा। फोर्डा ने अपने बयान में कहा है कि 25 नवंबर तक रेजिडेंट डाक्टरों ने नीट पीजी की काउंसलिंग का पूरे सब्र के साथ इंतजार किया।

रेजिडेंट डाक्टरों को उम्मीद थी कि इस मामले में 25 नवंबर को कुछ रास्ता निकलेगा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी में ओबीसी व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण लागू करने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख छह जनवरी 2022 तय की है। इस वजह से काउंसलिंग में लगातार देर होती जा रही है। रेजिडेंट डाक्टरों पर पहले से ही काम का दबाव है। मेडिकल स्नातकोत्तर में दाखिले की प्रक्रिया में देरी से मानसिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है।

फोर्डा ने सुप्रीम कोर्ट में मामले की तेज सुनवाई व केंद्र सरकार से मेडिकल स्नातकोत्तर की दाखिला प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की है। फोर्डा के अध्यक्ष डा. मनीष ने कहा कि नीट-पीजी की काउंसलिंग में करीब सात माह की देरी हो चुकी है। रेजिडेंट डाक्टर शनिवार को अस्पतालों में प्रदर्शन भी करेंगे। बहरहाल, ओपीडी में वरिष्ठ डाक्टर व फैकल्टी स्तर के डाक्टर मौजूद रहेंगे। इसलिए ओपीडी पूरी तरह बंद नहीं होगी, लेकिन रेजिडेंट डाक्टरों के ओपीडी में मौजूद नहीं रहने से कम संख्या में ही मरीज देखे जाएंगे।

चोरी की कारें खरीदकर पुर्जे बेचने वाला मैकेनिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) शाहदरा जिले की एएटीएस (एंटी आटो थेफ्ट स्क्वाड) ने चोरी की कारें खरीदकर उनके पुर्जे बेचने वाले एक मैकेनिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित इंद्रजीत सिंह उर्फ कुंडा से चोरी की दो कार, चाकू, कई चाबियां और गाड़ी खोलने वाले औजार बरामद किए हैं। वह विकासपुरी का रहने वाला है। उसका साथी मेरठ निवासी सिकंदर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एएटीएस की टीम बृहस्पतिवार को जीटी रोड पर गश्त कर रही थी। टीम को सूचना मिली कि चोरी की कार लेकर कुछ लोग शाहदरा इलाके में जीटी रोड से जाने वाले हैं। इस पर ग्यानंद सिनेमा के पास कारों की गहन जांच शुरू कर दी। इसी दौरान हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बिना एक कार को आते देख पुलिस ने उसे रोका। कार के रुकते ही उसमें से एक शख्स उतरकर जीटी रोड फ्लाईओवर की तरफ भाग गया, जबकि चालक इंद्रजीत सिंह को पुलिस ने दबोच लिया। जांच के दौरान मालूम हुआ कि कार चोरी की है।

तलाशी लेने पर आरोपित से चाकू भी बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि वह मैकेनिक है। मायापुरी में उसकी कबाड़ की दुकान है। वह चोरी की कारें खरीदकर उनके पुर्जे अलग-अलग करके बेचता है। उसने पुलिस को बताया कि उसका फरार साथी सिकंदर चोर है। आरोपित ने पुलिस को यह जानकारी भी दी कि वह चोरी की गाड़ियां खरीदने के बाद उन्हें पार्किंग में खड़ी कर देता हैं। फिर उसके पुर्जे अलग-अलग करके बेच देता है।

क्रेडिट कार्ड से ठगी करने का आरोपित चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली (एजेंसी) उत्तर पूर्वी जिले की साइबर सेल ने क्रेडिट कार्ड से ठगी करने के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान घड़ोली एक्सटेंशन निवासी अमित चौहान के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपित के बैंक खाते को फ्रीज करा दिया है, ताकि उससे धन निकासी न हो सके।

उससे पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कहीं उसके तार किसी गिरोह से तो नहीं जुड़े। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी संजय कुमार सैन ने बताया कि करावल नगर के कमल विहार निवासी आकाश के क्रेडिट कार्ड से किसी ने दो बार में करीब 92 हजार रुपये का भुगतान एक रियल एस्टेट पोर्टल पर किया था। इस संबंध में आकाश ने बीते बुधवार को करावल नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की जांच साइबर सेल के इंस्पेक्टर विकास कुमार की निगरानी में एसआइ नरेश कुमार और कांस्टेबल संदीप की टीम को सौंपी गई। टीम ने पीड़ित के क्रेडिट कार्ड, ई-मेल आइडी की जानकारी जुटाई। जांच में पाया कि पोर्टल को भुगतान की गई राशि कई माध्यमों से होकर कर्नाटका बैंक के एक खाते में जमा हुई।

तकनीकी सर्विलांस, सीडीआर लोकेशन और मुखबिरों की मदद से मयूर विहार फेज-तीन घड़ोली एक्सटेंशन में रहने वाले आरोपित अमित चौहान तक पहुंच गई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने कुबूल किया कि उसी ने वारदात को अंजाम दिया था। आरोपित के बैंक खाते में 48 हजार रुपये जमा हैं। इस पर पुलिस ने उसके खाते को फ्रीज करा दिया है।

आदेश न मानने वाले व्यक्ति को हाई कोर्ट ने सुनाई कारावास की सजा, जुर्माना लगाते हुए की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी) भरण-पोषण का भुगतान करने के संबंध में दिए गए आदेश की जानबूझकर अवज्ञा करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि अदालत के आदेशों की पूर्ण अवहेलना करने के लिए पति के कार्यो या चूक को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अगर इस तरह की अनुमति दी जाती है, तो अराजकता फैल जाएगी।

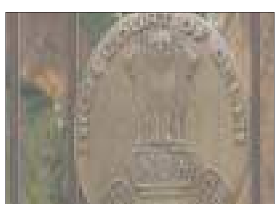

पीठ ने कहा कि न्यायालयों के आदेशों को हल्के में लिया जाएगा और संबंधित व्यक्ति की मर्जी से उल्लंघन किया जाएगा। उक्त टिप्पणी करते हुए पीठ ने आदेश की अवज्ञा करने वाले व्यक्ति को तीन माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि व्यक्ति ने अपनी वास्तविक आय को पारिवारिक न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन से बचने के लिए छिपाया था। पीठ ने कहा कि अदालत इस सजा को वापस लेने पर विचार करेगी अगर व्यक्ति दो सप्ताह के अंदर आदेश का पालन करके माफी मांगे।

विफल रहने पर नौ दिसंबर को तिहाड़ जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा। पत्नी ने अवमानना याचिका में कहा था कि व्यक्ति ने परिवार न्यायालय के साथ ही हाई कोर्ट के आदेश की भी अवज्ञा की है। परिवार न्यायालय ने निर्देश दिया था कि व्यक्ति 35 हजार रुपये का मासिक भरण-पोषण दे। साथ ही यह भी कहा था कि छह महीने के भीतर किश्तों के माध्यम से भरण-पोषण का बकाया चुका सकता है। हाई कोर्ट ने भी परिवार न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम भरण-पोषण आदेश का पालन करने का निर्देश दिया था। अदालत के बार-बार दिए गए निर्देश के बावजूद भी वह अपने सभी खातों, आय और व्यय की स्पष्ट जानकारी देने में विफल रहा था।

युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध दूसरा राहगिरी दिवस कार्यक्रम आज

दिल्ली में तीन महीने से अधिक समय में आयोजित किए जाने वाले छह राहगीरी दिवसों में से यह दूसरा आयोजन

दिल्ली की सड़कें सभी के लिए हैं, इन्हें पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित बनाना चाहते हैं, दिल्ली सरकार सामरिक शहरीकरण परियोजनाओं के ज़रिए सुलभ और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने को लेकर ध्यान केंद्रित कर रही है, दिल्ली की सड़कों को नया स्वरूप दे रही है : गहलोत

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। राहगीरी फाउंडेशन और डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसी) रविवार को नजफगढ़ में युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध विषय पर दूसरा राहगिरी दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा।

राहगीरी दिवस का आयोजन 28 नवंबर रविवार को सुबह 7:30 बजे से 10:30 बजे तक विधायक कार्यालय, आरसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पास मित्रांओं की तरफ जाने वाले मार्ग पर नजफगढ़ में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत शामिल होंगे। इस दौरान दौड़ना, साइकिल चलाना, स्केटिंग करना, नुक्कड़ खेल, संगीत बैंड, पेंटिंग, नृत्य, प्रदर्शन कला, योग, एरोबिक्स, जुंबा आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में दिल्ली के निवासी, बच्चे, कलाकार, फिटनेस विशेषज्ञ सहित अन्य लोग शामिल होंगे। दिल्ली में तीन महीने से अधिक समय में आयोजित किए जाने वाले छह राहगीरी दिवसों में से यह दूसरा आयोजन है। जिसका विषय युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध है। इस तरह का पहला आयोजन बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को पटपड़गंज में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शामिल हुए थे।

इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू किए गए युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत किया जा रहा है। जिससे की लोगों को वायु प्रदूषण को कम करने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। जिसमें निजी वाहनों का उपयोग सप्ताह में कम से कम एक बार नहीं करने सहित अन्य गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जा सके।

इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य लोगों को कारों के बिना सड़कों का सुखद अहसास महसूस कराना है। इस तरह की गतिविधियों के लिए सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के निर्माण से स्वास्थ्य, फिटनेस, एकजुटता और आनंद को बढ़ावा मिलता है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली की सड़कें सभी के लिए हैं। इन्हें पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित बनाना चाहते हैं।

दिल्ली सरकार सामरिक शहरीकरण परियोजनाओं के ज़रिए सुलभ और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान को लेकर ध्यान केंद्रित कर रही है। दिल्ली की सड़कों को नया स्वरूप दे रही है। नजफगढ़ जैसे क्षेत्रों में अभी भी उनके लिए एक गांव का महत्व है। समुदाय और अपनेपन की भावना बहुत मजबूत है। विधानसभा क्षेत्र का विधायक होने के नाते मुझे पता है कि एक बार जागरूकता पैदा होने के बाद नजफगढ़ के लोग प्रदूषण के खिलाफ इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन के उपाध्यक्ष जस्मीन शाह ने कहा कि सस्टेनेबल मोबिलिटी को बढ़ावा देकर प्रदूषण को कम करना युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान का एक मुख्य पहलू है। पूर्वी दिल्ली में आयोजित पहले राहगिरी दिवस में उत्साह के साथ नागरिकों की भागीदारी देखी गई, दिल्ली के बाहरी इलाकों में इस कार्यक्रम को लाने का फैसला किया है, जिसकी शुरुआत नजफगढ़ से हो रही है।

सतत गतिशीलता के लिए विभिन्न समुदायों की सामूहिक प्रतिबद्धता और प्रयास के साथ हम मिलकर दिल्ली के प्रदूषण को कम कर सकते हैं। सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं। राहगीरी एक नागरिक पहल है जो सुरक्षित, सुलभ और समावेशी सार्वजनिक सड़कों की वकालत करती है। राहगीरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक और ट्रस्टी सारिका पांडा भट्ट ने कहा कि राहगीरी दिवस लोगों को सामूहिक रूप से सार्वजनिक स्थानों का आनंद लेने के लिए बुलाता है। सड़कों को नए सिरे से बेहतर सार्वजनिक स्थान बनाने और हर समुदाय का पसंदीदा क्षेत्र बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

कोरोना के नए वैरिएंट से खतरे की आशंका कम, सतर्कता रखनी होगी ज्यादा

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के पूर्व महासचिव डा. एनके गांगुली ने कहा कि अब तक की जानकारी के अनुसार नए वैरिएंट का संक्रमण उन लोगों को भी हो रहा है जिन्हें टीका लग चुका है। यह ज्यादा संक्रामक है।

नई दिल्ली (एजेंसी)
दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वैरिएंट (बी.1.1.529) ने एक बार भी सबकी चिंता बढ़ा दी है। डाक्टरों के बीच इस बात की भी चर्चा होने लगी है कि कहीं यह नया वैरिएंट देश में तीसरी लहर का कारण न बन जाए। इसलिए डाक्टर कहते हैं कि बचाव के लिए जीनोम सिक्वेंसिंग के जरिये वायरस की निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

हालांकि, डाक्टर यह भी कह रहे हैं कि कोरोना के डेल्टा सहित किसी भी वैरिएंट ने एक बार संक्रमित हो चुके लोगों को दोबारा ज्यादा प्रभावित नहीं किया है। इसलिए देश में नए वैरिएंट से खतरे की आंशका बहुत कम है। फिर भी सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के पूर्व महासचिव डा. एनके गांगुली ने कहा कि अब तक की जानकारी के अनुसार नए वैरिएंट का संक्रमण उन लोगों को भी हो रहा है जिन्हें टीका लग चुका है। यह ज्यादा संक्रामक है। जांच व जीनोम सिक्वेंसिंग बढ़ाकर इसकी निगरानी सख्त करनी होगी ताकि नए वैरिएंट का यहां संक्रमण न फैलने पाए। प्रभावित देशों से आने वाले सभी यात्रियों की जांच जरूर होनी चाहिए। एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा. संजय राय ने कहा कि केंद्र सरकार ने सतर्कता बढ़ा भी दी है और प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है।

वायरस में हुआ म्युटेशन कोई अनपेक्षित नहीं है। कई म्युटेशन से ज्यादा नुकसान नहीं होता। इस वैरियंट से ऐसा लग रहा है कि नुकसान होने लगे। क्योंकि स्पाइक प्रोटीन में अधिक म्युटेशन होने से यह संभावना है कि यह टीके को बेअसर कर दे। यदि ऐसा हुआ तो मुश्किलें बढ़ जाएंगी, लेकिन अभी कहना जल्दबाजी है। उन्होंने कहा कि हांगकांग में पूरी वयस्क आबादी को एमआरएनए टीका लग चुका है। इससे यह आंशका जताई जा रही है कि यह टीके का प्रभाव कम कर रहा है। देश में अभी इसलिए ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि दूसरी लहर में डेल्टा वायरस से यहां की ज्यादातर आबादी संक्रमित हो चुकी है।

सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन के निदेशक प्रोफेसर डा. जुगल किशोर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में पाया गया नया वेरियंट डेल्टा से दो-तीन गुना ज्यादा संक्रामक बताया जा रहा है। लेकिन अच्छी बात यह है कि कोई भी नया वैरियंट बीमार होकर ठीक हो चुके लोगों को दोबारा प्रभावित नहीं किया। दूसरी लहर में भी डेल्टा वायरस से वे लोग सुरक्षित रहे जिन्हें पहले संक्रमण हो चुका था। यहां 20-30 फीसद आबादी को अब तक संक्रमण नहीं हुआ है। उन्हें खतरा ज्यादा है।

हालांकि, 45 फीसद से अधिक वयस्क आबादी का टीकाकरण पूरा हो गया है। टीकाकरण में तेजी लाना होगा, ताकि बाकी बचे लोगों का टीकाकरण भी जल्द पूरा हो सके। ऐसी स्थिति में नए वैरिएंट का संक्रमण होने पर भी नुकसान अधिक नहीं होगा। इसके अलावा कोरोना से बचाव के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा।

दिल्ली के पूर्व विधायक आसिफ खान गिरफ्तार, सरकारी कर्मियों को पीटने और मुर्गा बनाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी) दक्षिण दिल्ली के ओखला इलाके से कांग्रेस के एक पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर सड़कों के किनारे लगी होर्डिंग और पोस्टर हटाने पर दक्षिण दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को गाली देने और डंडे से पीटने आरोप लगा है। इस घटना का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें पूर्व विधायक को एसडीएमसी कर्मियों को गाली देते हुए दिखाया गया है।

इसमें साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह आसिफ फोन कर्मचारियों को पीट रहे हैं और वीडियो में कुछ लोग मुर्गा भी बने हुए हैं और कुछ दूरी पर आसिफ खान खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में मुर्गा बने कर्मचारी भी निगम के बताए जा रहे हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक जानकारी दी है कि उसने पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद खान को शाहीन बाग इलाके में एमसीडी कर्मचारियों को गाली देने और मारपीट करने का एक वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया है। वहीं, आरोपित विधायक आसिफ मोहम्मद खान का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि वे लोग दक्षिण दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी हैं।

घटना का वीडियो शुक्रवार का बताया जा रहा है कि जिसमें आसिफ खान को कथित तौर पर डंडे से चार लोगों को पीटते हुए और उन्हें कान पकड़कर मुर्गा बनाने का निर्देश देते हुए दिखाया गया है। दरअसल, इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कांग्रेस के पूर्व आसिफ मोहम्मद खान दक्षिण दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं उनके साथ गालीगलौज भी करते दिखाई पड़ रहे हैं। इस वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने बताया है कि इस मामले में आसिफ खान के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। उधर, कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि वे एसडीएमसी के कर्मचारी थे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि वे कौन थे।

भाजपा समर्थित एनडीटीएफ अध्यक्ष पद पर काबिज, एके भागी ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों के लिए शुक्रवार को हुए मतदान का परिणाम आ गया है। परिणाम में 22 साल बाद भारतीय जनता पार्टी समर्थित एनडीटीएफ अध्यक्ष पद पर काबिज हुई है। डीयू शिक्षक संघ के नए अध्यक्ष प्रो. ए के भागी चुने गए हैं। शुक्रवार को हुए चुनाव में भाजपा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट(एनडीटीएफ) उम्मीदवार प्रो. ए के भागी ने डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट की आभा देव को बड़े अंतर से हराया।

बता दें शुक्रवार को नार्थ कैंपस में तीन मतदान केंद्र बनाए गए थे। कुल 9051 मतदाताओं में से 7213 शिक्षकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतों की गिनती देर रात तक जारी रही। इस दौरान भाजपा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट(एनडीटीएफ) ने शुरू से ही बढ़त बना ली थी।

दूसरे राउंड तक कुल 1906 मतों की गिनती हुई, जिसमें एनडीटीएफ के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार प्रो. एके भागी को 993 वोट, डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ) उम्मीदवार डा. आभा देव हबीब को 579, अकेड्मिक्स फ़ॉर एक्शन एंड डेवलपमेंट (एएडी) के डॉ. प्रेम चंद को 221 और तदर्थ शिक्षक संगठन की डॉ. शबाना आज़मी को 64 मत मिले। कार्यकारणी के 15 सदस्यों के चयन के लिए भी चुनाव हुए।

कार्यकारिणी के लिए कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें भी एनडीटीएफ का दबदबा दिखा। दो राउंड के बाद आगे रहने वाले सात में से पांच प्रत्याशी एनडीटीएफ के ही थे।

करतारपुर साहिब, अयोध्या और वेलंकन्नी चर्च के लिए यात्रा की तारीख तय, मुफ्त में एसी में सफर करेंगे श्रद्धालु

नई दिल्ली (एजेंसी)
दिल्ली सरकार ने बुजुर्गों की पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब और तमिलनाडु के वेलंकन्नी चर्च की तीर्थयात्रा के लिए तारीख निर्धारित कर दी है। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि सीएम अरविंद केजरीवाल के आदेश पर करतारपुर व वेलंकन्नी को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की सूची में शमिल किया गया है।

दिल्ली से करतारपुर के लिए डीलक्स एसी बस से यात्रियों का पहला जत्था पांच जनवरी 2022 को रवाना होगा और वेलंकन्नी के लिए यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन सात जनवरी 2022 को रवाना होगी। वहीं अयोध्या के लिए तीन दिसंबर को पहली ट्रेन रवाना होगी। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक कर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की समीक्षा की है। इसमें राजस्व विभाग, आइटी विभाग, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), तीर्थ यात्रा विकास समिति और भारतीय रेलवे कैटरिंग और पर्यटन निगम (आइआर सीटीसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। दिल्ली से वेलंकन्नी तीर्थ स्थल जाने वाले यात्रियों को दिल्ली सरकार की तरफ से एसी थ्री टियर ट्रेन में सीट उपलब्ध कराई जाएगी। दिल्ली सरकार यात्रा के दौरान सभी एसी ट्रेनों और एसी बसों में यात्रियों के साथ डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम भी भेजेगी। कोविड-19 की वजह से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्र योजना पर रोक लगा दी गई थी। इस दौरान 15 हजार लोगों ने तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन किया था, लेकिन यात्रा पर रोक की वजह से यह लोग योजना का लाभ नहीं उठा पाए थे। अब ऐसे आवेदकों को उनके पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस भेजा जाएगा। अगर वे अयोध्या का दर्शन करने के इच्छुक हैं तो उन्हें दिल्ली-अयोध्या-दिल्ली मार्ग चुनने के लिए ई-डिस्टिक्ट पोर्टल पर अपने आवेदनों में संशोधन करना होगा। साथ ही उन्हें वैक्सीनेशन की दोनों डोज प्राप्त करने का सर्टिफिकेट अपलोड करना होगा। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना 12 जुलाई, 2019 को शुरू की गई थी। इस योजना के तहत दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी से वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्र के लिए मुफ्त यात्रा पैकेज प्रदान करती है। प्रति विधानसभा क्षेत्र से 1100 लोग सालाना इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। अब तक 35,080 लाभार्थियों ने योजना के तहत यात्रा की है।

सोमवार को संसद तक किसानों का ट्रैक्टर मार्च स्थगित, मांगों पर 4 दिसंबर का अल्टीमेटम

नई दिल्ली,ओपन सर्च
संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से 29 नवंबर को होने वाला ट्रैक्टर मार्च स्थगित कर दिया गया है।

मोर्चा की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए किसान नेता दर्शनपाल सिंह ने बताया कि मोर्चा की तरफ से 29 नवंबर को होने वाला संसद पर ट्रैक्टर मार्च स्थगित कर दिया गया है। चार दिसंबर को मोर्चा की फिर से मीटिंग होगी।

इस बैठक में केंद्र सरकार के रूख की समीक्षा की जायेगी। किसानों के घर जाने का फैसला चार दिसंबर को होने वाली मीटिंग के बाद लिया जाएगा। मोर्चा के नेताओं ने केंद्र सरकार को चार दिसंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर मांगें पूरी हुई तो किसान घर चले जाएंगे। मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन ऐसे ही चलेगा।

किसान नेता दर्शनपाल सिंह ने कहा कि मोर्चा देखना चाहता है कि केंद्र सरकार अपना किया गया वादा संसद में पूरा करती है या नहीं। इस मीटिंग में राकेश टिकैट शामिल नही हुए। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा के एक नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य सरकारों और रेलवे को विरोध के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का निर्देश देना चाहिए।

भारतीय किसान युनियन के नेता राजवीर सिंह जादौन ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार एमएसपी, प्रदर्शन के दौरान किसानों की मौत और लखीमपुर हिंसा मामले पर मोर्चा के साथ बातचीत नहीं करती है तब आंदोलन जारी रहेगा। सरकार ने अभी जो भी घोषणाएं की है उससे संयुक्त किसान मोर्चा संतुष्ट नही हैं। सोमवार को संसद तक होने वाला ट्रैक्टर मार्च स्थगित होने से दिल्ली पुलिस ने राहत की सांस ली है।

दरअसल 29 नंबवर यानी सोमवार से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। यह सत्र 23 दिसंबर तक चलेगा। दिल्ली पुलिस की सबसे बड़ी चुनौती आंदोलनकारियों का ट्रैक्टर मार्च को रोकना था।

इससे पहले प्रदर्शनकारी 29 नवंबर को दिल्ली में प्रवेश करने की जिद पर अड़े थे। किसान नेताओं का कहना था कि सोमवार दिल्ली की सीमाओं पर धरना दे रहे 500 आंदोलनकारी 30 ट्रैक्टरों से संसद भवन जाएंगे। हालांकि ट्रैक्टर मार्च स्थगित होने से पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

कृषि सुधार कानून के विरोध में प्रदर्शन का एक साल पूरा होने पर शुक्रवार को सिंघु, टीकरी और यूपी बार्डर पर प्रदर्शनकारियों की संख्या में बढ़ोतरी भी देखने को मिली।

उप्र बार्डर पर पंचायत भी हुई, जिसमें आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। इसे देखते हुए दिल्ली के सभी बार्डर पर बैरिकेडिंग करते हुए भारी संख्या में जवानों को तैनात कर दिया गया है।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता

समय का पहिया सदा घुमता रहता है। उसकी गति को कोई नहीं रोक सकता। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। मनुष्य का जीवन क्षणभंगुर है। अतः जीवन क्षण को मूल्यावन समझ कर कार्य में जुटे रहना चाहिए। मानव जीवन की सफलता का रहस्य समय रूपी रत्न के योग में ही छिपा है। जो व्यक्ति अपने अमूल्य समय का लाभ नहीं उठाते और अवसर पाकर चूक जाते है वे बाद में पश्चाताप करते और हाथ मलते रह जाते हैं और लोग ज्अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेतज्ज् कहकर उनका मजाक उड़ाते हैं। समय बड़ा बलवान होता है। समय को परखने वाला रंक से धनाढ्य और समय की उपेक्षा करने वाला करोड़पति से भिखारी हो जाता है।

अतः हमें समय की गति और स्वभाव को पहचान कर एक-एक क्षण का मूल्य समझना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में भाग्योदय के क्षण आते हैं, जो उस समय का सदुपयोग कर लेता है वह जीवन में सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता चला जाता है। थोड़ा-सा आलस्य बहुत घातक सिद्व होता है। मनुष्य का जीवन अमूल्य है, जो संसार में विशिष्ट स्थान रखता है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। प्रकृति के समस्त कार्य नियत समय पर होते हैं। समय की गति बड़ी त्रीव होती है। जो उसमें पिछड़ जाता है। वह सदैव पछतात रहता है। तुलसीदास ने ठीक ही कहा है- च्समय चुकि पुनि का पछताने का वर्षा जब कृषि सुखाने। अतः आवश्यकता है समय के सदुपयोग की।

अतः हमें समय की गति और स्वभाव को पहचान कर एक-एक क्षण का मूल्य समझना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में भाग्योदय के क्षण आते हैं, जो उस समय का सदुपयोग कर लेता है वह जीवन में सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता चला जाता है। थोड़ा-सा आलस्य बहुत घातक सिद्व होता है। मनुष्य का जीवन अमूल्य है, जो संसार में विशिष्ट स्थान रखता है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। प्रकृति के समस्त कार्य नियत समय पर होते हैं। समय की गति बड़ी त्रीव होती है। जो उसमें पिछड़ जाता है। वह सदैव पछतात रहता है। तुलसीदास ने ठीक ही कहा है- च्समय चुकि पुनि का पछताने का वर्षा जब कृषि सुखाने।

समय वह धन है जिसका सुदपयोग न करने से वह व्यर्थ चला जाता है। हमें समय का महत्व तब ज्ञात होता है जब दो मिनट विलंब के कारण गाड़ी छूट जाती है। जीवन में वही व्यक्ति सफल हो पाते हैं जो समय का पालन करते हैं। हमारे देश में समय का दुरूपयोग बहुत होता है। बेकार की बातों में व्यर्थ समय गँवाया जाता है।

बहुत से व्यक्ति समय गँवाने में ही आनंद का अनुभव करते हैं। यह प्रवृति हानिकारक है। समय को खोकर कोई व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता। जूलियस सीजर सभा में पाँच मिनट देर से पहुँचा और अपने प्राणों से हाथ धो बैठा। अपनी सेना के कुछ मिनट देर से पहुँचने के कारण नेपोलियन को नेल्सन से पराजित होना पड़ा। समय किसी की बाट नहीं देखता। हम समय का सदुपयोग कैसे करें ? प्रथम तो हमें अपने कार्य निश्चित समय में ही पूरे करने चाहिए। काम में देरी समय के प्रति लापरवाही प्रदर्शित करती है। निश्चित कार्य को समय पर करने के उपरान्त भी समय बच जाता है। इस अतिरिक्त सम में हम समाज-कल्याण का कार्य कर सकते हैं। निर्धनों और बेसहारों की मदद कर सकते है। ज्ञान-वृद्धि एवं मनोरंजन हेतु अतिरिक्त समय मे पुस्तकें पढ़ सकते हैं। यदि हमारी रूचि सृजनसत्मक कार्यों में है तो हम वह कार्य करके भी समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

घर के आंगन में बागवानी करके भी समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आज का काम कभी कल पर मत छोड़ो। कबीर जी ने ठीक ही कहा है- च्काल करे सो आज कर, कर आज करे सो अब। पल में परलय होयगी, बहुरि करैगो कब। समय थोड़ा है, किंतु कार्य अधिक है। अतः समय का पाबंद होना अति आवश्यक है। %गया वक्त आता नहींज् की उक्ति को ध्यान में रखना चाहिए। स्वयं को समय की गति के अनुसार ढालना चाहिए। समय के सदुपयोग से रंक-राजा और मूर्ख भी विद्वान बन जाता है।

छात्र वर्ग के लिए समय और भी मूल्यवान है वही छात्र अच्छे अंक प्राप्त करता है जो समय का सही उपयोग करता है। कभी समय बर्बाद मत करो, इसी में बुद्धिमानी है। जो व्यक्ति समय की परवाह करते हैं, वे जीवन में कभी असफल नहीं होते। सफलता तो उनके चरण चूमती है। हमें सदैव यह प्रयास करना चाहिए कि समय व्यर्थ न चला जाए। समय का भरपूर उपयोग करना ही सफलता प्राप्ति का मूलमंत्र है। हमें इस बात को सदैव ध्यान रखना चाहिए कि गया समय लौटकर नहीं आता। हमें अपने एक-एक क्षण का सदुपयोग करना आना चाहिए। समय की पाबंदी ही व्यक्ति को बड़ा और सफल बनाती है।

अमृत महोत्सव का जनजातीय अध्याय

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

आजादी के अमृत महोत्सव में अनेक उपेक्षित तथ्य उजागर हो रहे हैं। अनेक राष्ट्र नायक राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हो रहे हैं। अमृत महोत्सव के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेरणा का एक नया दिन भी घोषित किया गया। अब देश प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस भी मनाएगा। इस दिवस का प्रथम आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर उत्साहपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखण्ड में बिरसा मुंडा की मूर्ति का वर्चुअल लोकार्पण किया। भोपाल में विश्व स्तरीय रानी कमलापति रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया। बिरसा मुंडा और रानी कमलापति के महान योगदान से देश की नई पीढ़ी परिचित हुई। बिरसा मुंडा की झारखंड, बिहार, उड़ीसा आदि प्रदेशो में प्रतिष्ठा रही है। जनजातीय समुदाय में उनका बड़ा सम्मान है।

वह राष्ट्र नायक के रूप में पूरे देश के लिए सम्मान की विभूति हैं। रानी कमलापति का भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के साथ स्मरण किया गया। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखण्ड के खुटी जिले के उलीहातु गाँव में हुआ था। उनमें बाल्यकाल से ही समाजसेवा का भाव था। उन्होंने जनजातीय समुदाय को ब्रिटिश दासता से मुक्त कराने का संकल्प लिया था। अकाल के समय उन्होंने लोगों की सेवा सहायता की। इसके साथ ही अंग्रेजों की लगान वसूली का जम कर विरोध किया। उन्होंने स्थानीय लोगों को एकत्र किया। मुंडा विद्रोह को उलगुलान नाम से भी जाना जाता है। बिरसा मुंडा को1895 में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें दो साल के कारावास की सजा दी गयी। उन्हें लोग सम्मान से धरती आबा कहते थे। खूँटी थाने पर हमला कर अंग्रेजों को चुनौति दी गई। तांगा नदी के किनारे ब्रिटिश सेना पराजित भी हुई थी। डोम्बरी पहाड़ पर संघर्ष हुआ था। चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटिश जेल में ही उनका निधन हुआ था। मध्य प्रदेश के रेलवे स्टेशन हबीबगंज (भोपाल) का अंतिम गोंड शासक रानी कमलापति नामकरण किया गया। नरेंद्र मोदी ने इस स्टेशन का लोकार्पण किया। इस प्रकार रानी कमलापति की राष्ट्र सेवा को सम्मान दिया गया। वह अठारहवीं शताब्दी की गोंड रानी थीं। यह पहली बार है, जब जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। अब तक स्वतंत्रता संग्राम के वे गुमनाम नायक रहे हैं। जनजातीय समुदाय ने प्राचीन काल से ही जम्मू-कश्मीर,मणिपुर,

नागालैंड सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास किया है और देश की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाई है। आजादी से पहले भी जनजातीय नायकों ने भारत की स्वतन्त्रता के संघर्ष में प्रमुख भूमिका निभाई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। रानी कमलापति का नाम रेलवे स्टेशन से जोड़ने से गोंड समाज सहित सम्पूर्ण जनजाति वर्ग का गौरव बढ़ा है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन देश का पहला आईएसओ सर्टिफाइड एवं पीपीपी मॉडल पर विकसित रेलवे स्टेशन है। एयरपोर्ट पर मिलने वाली सुविधाएँ इस रेलवे स्टेशन पर मिल रही हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत आगे बढ़ रहा है। यह मास्टर प्लान देश के विकास को अभूतपूर्व गति दे रहा है। देश के संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। यह प्लान सामान्य भारतीय के लिये ईज ऑफ लिविंग सुनिश्चित कर रहा है। रेलवे में कई नये प्रोजेक्ट इस प्लान के तहत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। करीब दो सौ से अधिक रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। भारतीय रेल के सामर्थ्य का बड़े स्तर पर विस्तार किया जा रहा है। पहली बार सामान्य मानव को उचित राशि पर पर्यटन और तीर्थाटन का दिव्य अनुभव दिया जा रहा है। रामायण सर्किट ट्रेन ऐसा ही एक प्रयास है। रामायण एक्सप्रेस के माध्यम से रामायण काल के स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी तरह की और भी ट्रेनें चलाई जायेंगी। आजादी के अमृत महोत्सव में भारतीय रेलवे आने वाले दो साल में पचहत्तर नई ट्रेनें चलाने जा रहा है। विदेशी आक्रांताओं के हमलों के बाबजूद जन जातीय समुदाय ने अपनी सभ्यता- संस्कृति को कायम रखा है। इन्होंने सदैव विदेशी आक्रांताओं से मोर्चा लिया। स्वतन्त्रता संग्राम में जन जातीय समुदाय का योगदान भी किसी से कम नहीं था। लेकिन इनको इतिहास में उचित एवं पर्याप्त स्थान नहीं मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ओर ध्यान दिया। रानी कमलापति का के नाम से लोग अनजान थे। नरेंद्र मोदी की पहल से यह नाम आज राष्ट्रीय चर्चा में है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज भारत सही मायने में अपना प्रथम जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। आजादी के बाद देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर जनजातीय कला, संस्कृति,स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गौरव एवं सम्मान प्रदान करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार ने भी फैसला किया है कि पन्द्रह नवम्बर को पूरे देश में हर वर्ष गांधी- पटेल- अंबेडकर जयंती की तरह ही वृहद पैमाने पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा। जनजातीय समाज के योगदान को जन जन तक पहुँचाया जाएगा। जनजातीय समाज ने कोरोना के दोनों टीके लगवाकर पढ़े-लिखे समाज के सामने उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। देश को बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। जनजातीय समाज का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान है। भगवान श्री राम को वनवास के दौरान जनजातीय समाज द्वारा दिये गये सहयोग ने ही मर्यादा पुरुषोत्तम बनाया। जनजातीय समाज की परंपराओं, रीति-रिवाजों, जीवन-शैली से प्रेरणा मिलती है। सरकार निरंतर जनजातीय कल्याण के कार्य कर रही हैं। सरकार द्वारा बीस लाख जनजातीय व्यक्तियों को वनभूमि के पट्टे प्रदान किये गये हैं। जनजातीय युवाओं के शिक्षा एवं कौशल विकास के लिये देशभर में साढ़े सात सौ एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालय खोले जा रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा तीस लाख विद्यार्थियों को हर वर्ष छात्रवृत्ति दी जा रही है। सरकार द्वारा नब्बे वनउपजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है।

भारत सरकार ने जो डेढ़ सौ से अधिक मेडिकल कॉलेज मंजूर किए हैं,उनमें जनजातीय बहुल जिलों को प्राथमिकता दी गई है। इसी तरह जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में नल से जल पहुंचाने की योजना संचालित हो रही है। सरकार ने खनिज नीति में ऐसे परिवर्तन किए. जिनसे जनजातीय वर्ग को वन क्षेत्रों में खनिजों के उत्खनन से लाभ मिलने लगा है। जिला खनिज निधि से पचास हजार करोड़ के लाभ में जनजातीय वर्ग हिस्सेदार है। जनजातीय समाज को यह सम्पदा काम आ रही है।

खनन क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं को बढ़ाया गया है। बाँस की खेती जैसे सरल कार्य को पूर्व सरकारों ने कानूनों में जकड़ दिया था। उन्हें संशोधित कर अब जनजातीय वर्ग की छोटी छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति का मार्ग प्रारंभ किया गया है। मोटा अनाज जो कभी उपेक्षित था। वह भारत का ब्राण्ड बन रहा है। जनजातीय बहनों को काम और रोजगार के अवसर दिलवाने का कार्य हो रहा है। नई शिक्षा नीति में जनजातीय वर्ग के बच्चों को मातृ भाषा की शिक्षा का लाभ भी मिलेगा।

साइकिलिंग के फायदे

सुहाना मुल्ला

साइकिलिंग आपको गंभीर बीमारियों जैसे स्ट्रोक, दिल का दौरा, कुछ कैंसर, अवसाद, मधुमेह, मोटापा और गठिया से बचाने में मदद कर सकती है। बाइक चलाना सभी उम्र के लोगों के लिए स्वस्थ, मज़ेदार और कम प्रभाव वाला व्यायाम है। दुकानों, पार्क, स्कूल या काम पर सवारी करके साइकिल चलाना आपकी दिनचर्या में फिट होना आसान है। फिट और स्वस्थ रहने के लिए आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की जरूरत है।

नियमित शारीरिक गतिविधि आपको मोटापा, हृदय रोग, कैंसर, मानसिक बीमारी, मधुमेह और गठिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद कर सकती है। नियमित रूप से साइकिल चलाना एक गतिहीन जीवन शैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। साइकिल चलाना एक स्वस्थ, कम प्रभाव वाला व्यायाम है, जिसका आनंद छोटे बच्चों से लेकर बड़े वयस्कों तक सभी उम्र के लोग उठा सकते हैं।

यह मज़ेदार, सस्ता और पर्यावरण के लिए भी अच्छा है।काम पर या दुकानों के लिए राइडिंग नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या के साथ संयोजित करने के सबसे अधिक समय-कुशल तरीकों में से एक है। अनुमानित एक अरब लोग प्रतिदिन साइकिल चलाते हैं - परिवहन, मनोरंजन और खेल के लिए।

दुकानों, पार्क, स्कूल या काम पर सवारी करके साइकिल चलाना आपकी दिनचर्या में फिट होना आसान है। फिट और स्वस्थ रहने के लिए आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की जरूरत है। नियमित शारीरिक गतिविधि आपको मोटापा, हृदय रोग, कैंसर, मानसिक बीमारी, मधुमेह और गठिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद कर सकती है। नियमित रूप से साइकिल चलाना एक गतिहीन जीवन शैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है।

स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए साइकिल चलाना आपके स्वास्थ्य में सामान्य सुधार प्राप्त करने में सप्ताह में केवल दो से चार घंटे लगते हैं। यह व्यायाम के अन्य रूपों की तुलना में कम तनाव और चोटों का कारण बनता है। एक अच्छा मांसपेशी कसरत- साइकिल चलाना आपके पेडल के रूप में सभी प्रमुख मांसपेशी समूहों का उपयोग करता है।

आसान - कुछ अन्य खेलों के विपरीत, साइकिल चलाने के लिए उच्च स्तर के शारीरिक कौशल की आवश्यकता नहीं होती है। ज्यादातर लोग बाइक चलाना जानते हैं और एक बार सीख लेने के बाद आप भूलते नहीं हैं। ताकत और सहनशक्ति के लिए अच्छा- साइकिल चलाने से सहनशक्ति, ताकत और एरोबिक फिटनेस बढ़ती है। जितनी तीव्र आप चाहें- साइकिल चलाना बहुत कम तीव्रता पर किया जा सकता है, अगर चोट या बीमारी से ठीक हो रहा है, लेकिन एक मांग वाली शारीरिक कसरत के लिए बनाया जा सकता है। फिट होने का एक मजेदार तरीका- पहाड़ियों के नीचे और बाहर होने से आपको जो रोमांच और उत्साह मिलता है, उसका मतलब है कि आप अन्य शारीरिक गतिविधियों की तुलना में नियमित रूप से साइकिल चलाना जारी रखते हैं, जो आपको घर के अंदर रखते हैं या विशेष समय या स्थानों की आवश्यकता होती है। समय-कुशल - परिवहन के एक साधन के रूप में, साइकिल चलाना मोटर वाहनों को चलाने में या स्वस्थ व्यायाम के साथ ट्राम, ट्रेन या बसों का उपयोग करने में व्यतीत गतिहीन (बैठे) समय को बदल देता है। नियमित साइकिल चलाने के स्वास्थ्य लाभ साइकिल चलाना मुख्य रूप से एक एरोबिक गतिविधि है, जिसका अर्थ है कि आपके हृदय, रक्त वाहिकाओं और फेफड़ों सभी को कसरत मिलती है।

आप गहरी सांस लेंगे, पसीना बहाएंगे और शरीर के तापमान में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आपके समग्र फिटनेस स्तर में सुधार होगा। नियमित साइकिल चलाने के स्वास्थ्य लाभों में शामिल हैं- कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस में वृद्धि मांसपेशियों की ताकत और लचीलेपन में वृद्धि बेहतर संयुक्त गतिशीलता तनाव के स्तर में कमी बेहतर मुद्रा और समन्वय मजबूत हड्डियाँ शरीर में वसा के स्तर में कमी रोग की रोकथाम या प्रबंधन चिंता और अवसाद में कमी। साइकिल चलाना और विशिष्ट स्वास्थ्य मुद्दे साइकिल चलाने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों में सुधार हो सकता है और कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने की संभावना कम हो सकती है। मोटापा और वजन नियंत्रण : वजन को नियंत्रित करने या कम करने के लिए साइकिल चलाना एक अच्छा तरीका है, क्योंकि यह आपकी चयापचय दर को बढ़ाता है, मांसपेशियों का निर्माण करता है और शरीर की चर्बी को जलाता है।

यदि आप अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो साइकिल चलाना एक स्वस्थ खाने की योजना के साथ जोड़ा जाना चाहिए। साइकिल चलाना व्यायाम का एक आरामदायक रूप है और आप समय और तीव्रता को बदल सकते हैं - इसे आपके अनुरूप धीरे-धीरे और विविध रूप में बनाया जा सकता है। शोध बताते हैं कि आपको व्यायाम के माध्यम से एक सप्ताह में कम से कम 8,400 किलोजूल (लगभग 2,000 कैलोरी) बर्न करना चाहिए। स्थिर साइकिल चलाने से प्रति घंटे लगभग 1,200 किलोजूल (लगभग 300 कैलोरी) बर्न होती ह यदि आप दिन में दो बार साइकिल चलाते हैं, तो जले हुए किलोजूल शीघ्र ही बढ़ जाते हैं। ब्रिटिश शोध से पता चलता है कि हर दिन आधे घंटे की बाइक की सवारी से एक वर्ष में लगभग पांच किलोग्राम वसा जल जाएगी।

लिटमस टेस्ट बनेंगे अगले विधानसभा चुनाव

ऋतुपर्ण दवे

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अगले चन्द हफ्तों में होने जा रहे 5 राज्यों के चुनावों के साथ फिर से इलेक्शन मोड में आ गया है। सच कहें तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां हर साल बल्कि हमेशा कहीं न कहीं और कोई न कोई चुनाव होते ही रहते हैं। इन पर होने वाले भारी-भरकम खर्च के लिहाज से भले ही लोगों की अलग-अलग राय हो लेकिन जनता के द्वारा जनता के हाथों, जनता की हर स्तर की सरकार बनाने की जो रीत अपने देश में है, सच में अनूठी है और दुनिया के कई दूसरे देशों के लिए आश्चर्य और विश्वास का विषय भी। कई मौकों पर तानाशाही के आरोपों से घिरी मजबूत और दंभी सरकारों को इसी लोकतंत्र ने न केवल गिराकर दिखाया बल्कि सक्षम या बहुमत के हाथों में सत्ता की कमान न पहुंच पाने के चलते जल्दी-जल्दी और जबरदस्त उलट-पलट का दौर भी देखा। शायद भारत ही इकलौता ऐसा लोकतांत्रिक गणतंत्र है जहां बहुमत, अल्पमत और मिली-जुली सरकारों के हाथों में भी सुरक्षित जनतंत्र के सच पर कभी आंच तक नहीं दिखी। सरकार के फैसलों को बदलने के लिए आन्दोलनों की जो रवायत भारत में है, शायद ऐसी कहीं न होगी। बस यही खूबी भारत को दुनिया से अलग करती है और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती है। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों व स्थानीय क्षत्रपों की पैनी और कई बार दूषित निगाहों के बावजूद कभी भी लोकतंत्र पर जरा सी भी आंच न आने देने का सच ही भारत की महाशक्ति और दुनिया की उभरती ताकत का अहसास कराता है। साल भर से चल रहे किसान आंदोलन और इसके चलते तीनों कृषि कानूनों की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने के बाद विशेषकर उत्तर प्रदेश और पंजाब पर सबकी खास निगाहें हैं। दरअसल कृषि कानूनों को लेकर सबसे ज्यादा असर पंजाब व उत्तर प्रदेश में पड़ेगा, ऐसा माना जा रहा है। पूर्ण बहुमत की दूसरे टर्म की मोदी सरकार के लिए 2022 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर विधानसभा चुनावों के नतीजे लिटमस टेस्ट सरीखे होंगे।

माना जा रहा है कि दो बड़े राज्य उप्र उसमें भी विशेषकर पश्चिमी उप्र और पंजाब किसान बहुल और किसान राजनीति के बड़े केंद्र हैं। इन्हीं राज्यों की किसी न किसी रूप में पूरे देश में कोई न कोई छाप दिख ही जाती है। ऐसे में साल भर से चल रहा किसान आंदोलन चिंता का सबब तो बनना ही था। अब कथित किसान विरोधी तीनों कृषि कानून समाप्ति को लेकर कैबिनेट की मुहर के बाद भी आंदोलन की ठंडी न पड़ती आग से एक अलग चिंगारी उठती दिख रही है। जाहिर है नरेन्द्र मोदी के लिए दोनों आम चुनावों जैसे सकारात्मक बल्कि कहें एकतरफा माहौल के बीच एक अकेला यह आंदोलन ही चुनौती दिख रहा हो ऐसा नहीं है। कोविड-19 के बुरे दौर और लगातार अर्थव्यवस्था पर पड़ते जोर खासकर पेट्रोलियम पदार्थों की बेलगाम कीमतों और खाद्य पदार्थों की बेतहाशा मंहगाई ने ही नरेन्द्र मोदी जैसे दृढ़ इच्छा शक्ति और कड़े फैसले लेने वाले को तीनों कृषि कानूनों की वापसी खातिर मजबूर किया हो। इसके पीछे के तर्क-कुतर्क अलग राजनीतिक बहस के मुद्दा हो सकते हैं। लेकिन सच यही है कि बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कृषि कानूनों की वापसी का कार्ड कितना सटीक होगा, यह उत्तर प्रदेश और पंजाब में 2022 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव नतीजे ही बताएंगे। भाजपा के अंदरखाने भी इस वापसी पर जबरदस्त क्रिया-प्रतिक्रिया तो समझ आ रही है लेकिन बाहर ज्यादा सुगबुगाहट दिख नहीं रही है। हालांकि मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्र में मंत्री रह चुकीं उमा भारती जो अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने दो टूक कहकर सबको चकित जरूर कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि ष्हमारे प्रधानमंत्री ने जब तीनों कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा की तो मैं अवाक रह गई और व्यथित हूँ। इसलिए 3 दिन बाद प्रतिक्रिया दे रही हूँ। कृषि कानूनों की महत्ता नहीं समझा पाना हम सब कार्यकर्ताओं की कमी है। हम क्यूँ नहीं किसानों से ठीक से संपर्क एवं संवाद कर पाए? मोदी जी बहुत गहरी सोच एवं समस्या की जड़ को समझने वाले प्रधानमंत्री हैं। भारत की जनता और मोदी जी का आपस का समन्वय, विश्व के राजनीतिक, लोकतांत्रिक इतिहास में अभूतपूर्व है। कृषि कानूनों के संबंध में विपक्ष के निरंतर दुष्प्रचार का सामना भी हम नहीं कर सके। लेकिन मेरे नेता ने कानूनों को वापस लेते हुए भी अपनी महानता स्थापित की है।ष् यकीनन कहीं न कहीं हवा के रुख को भांपा गया है। कृषि कानूनों की वापसी के पहले 30 अक्टूबर को हुए उपचुनावों के नतीजे भी काफी हैरान करने वाले रहे। जिसमें 14 राज्यों के 3 लोकसभा और 29 विधानसभा उपचुनावों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों को 15 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट पर जीत मिली। वहीं 14 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटें राजनीतिक विरोधियों के खाते में चली गईं। हो सकता है कि इसका ईमानदार विश्लेषण किया गया हो? प्रधानमंत्री मोदी ने बिना झिझक सच्चाई को स्वीकारा हो और कृषि कानूनों की वापसी के फैसले पर अपने बेलाग अंदाज से ही बड़ा संदेश दिया हो? यह बात अलग है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे। लेकिन फिलहाल भारतीय राजनीति में भूचाल जैसी स्थिति जरूर आ गई है। इधर किसान भी झुकते नहीं दिख रहे हैं। संसद के आगामी सत्र में कानून वापसी के बाद राजनीति की क्या दिशा होगी यह पूर्वानुमान बेमानी होगा। किसान इसे अपनी जीत समझ रहे हैं तो, विपक्षी सरकार की हार मान रहे हैं। वहीं सरकार इसे अपनी उदारता बता रही है। कुल मिलाकर सारा कुछ फिर उसी लोकतंत्र की कसौटी पर कसने के लिए तैयार दिख रहा है जिसकी दुंदुभि अगले बरस की शुरुआत में 5 राज्यों के चुनाव से बजेगी। इसके लिए वक्त बहुत कम है लेकिन धड़कनें सबकी बढ़ी हुई हैं। राजनीति पंडितों ने 30 अक्टूबर के उपचुनावों को बड़ा संकेत माना है लेकिन जब इन कृषि कानूनों का मामला सुप्रीम कोर्ट गया था तो उसने कानूनों की संवैधानिक वैधता जांचे बिना उनके अमल पर रोक लगा बहुत बड़ा बल्कि कहें क्रांतिकारी कदम उठाया और तय किया कि कानून की वैधता जांचे बिना किसान संगठनों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया जाए लेकिन किसान नहीं गए।

इस पर एटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल की तत्काल प्रतिक्रिया भी आई थी जिसमें उन्होंने इसे गलत परंपरा बताते हुए कहा था कि सर्वोच्च अदालत कोई पंचाट नहीं है, एक संवैधानिक अदालत है जिसे अपने अधिकार के दायरे में ही रहकर काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की कमेटी भी बनाई लेकिन किसानों ने वहां भी जाना उचित नहीं समझा। हालांकि कमेटी आठ महीने पहले रिपोर्ट सौंप दी चुकी है जिसे न तो सार्वजनिक किया गया न ही सुनवाई हुई। अब इन्हीं कानूनों की वापसी कर प्रधानमंत्री ने भी बड़ा दाँव जरूर फेंक दिया है। शह और मात की राजनीति के खेल में 5 राज्यों के चुनाव के बाद गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है।

कृषि कानूनों से इतर ममता बनर्जी की सफलता और अब केंद्र में निगाह और पूर्वोत्तर राज्यों पर दांव तो अरविन्द केजरीवाल का कई राज्यों पर पासा, उत्तर प्रदेश में सपा, आरएलडी व अन्य छोटे-छोटे दलों का गठबन्धन तो पूर्वोत्तर में नई संभावनाएं के बीच देश की भूख मिटाने वाले किसानों का मुद्दा सबसे अहम होने के बावजूद भाजपा के लिए किसान आन्दोलन और बढ़ती महंगाई देश भर में प्रभाव डालने वाले कदम लग रहे हैं। शायद इसीलिए कृषि कानूनों की वापसी, पेट्रोल के दामों में कटौती का बड़ा दांव खेला गया। जाहिर है चन्द हफ्तों बाद देश में क्रमशः 13 राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे जो 2024 के आम चुनावों के पहले तक चलेंगे। आगामी 13 विधानसभा चुनाव जो देश के लगभग हर कोने को प्रभावित करेंगे, लिटमस टेस्ट साबित होंगे क्योंकि तब तक राजनीति में न जाने कितने दुश्मन, दोस्त और दोस्त, दुश्मन बन चुके होंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

बेतिया मंडल कारा में क्षमता से अधिक बंदी, 1000 से अधिक शराब धंधेबाज

पश्चिम चंपारण (बेतिया) (एजेंसी) । इन दिनों मंडलकारा में क्षमता से करीब डेढ़ गुना बंदी बंद है। जिस कारण जेल प्रशासन के साथ बंदियों की परेशानी बढ़ गई है। दैनिक कार्यों में बंदियों को दिक्कत हो रही है। जेल सुपरिटेंडेंट अमरजीत सिंह ने बताया कि जेल में 2618 बंदी है। जबकि जेल की क्षमता करीब 1800 बंदियों की है। बताया जाता है कि पिछले एक माह में बंदियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। 10 दिन पहले 17 नवंबर को बंदियों की संख्या 2419 थी। 10 दिन में ही संख्या में 200 की बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि की इस माह के शुरुआत में नौतन में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत के बाद पुलिस और मद्य निषेध विभाग की टीम शराब के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है। इस दौरान शराब धंधेबाज और शराबी पकड़े जा रहे हैं। इसका असर भी जेल पर पड़ा है। कारा में बंदियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अचानक बंदियों की संख्या बढने से जेल प्रशासन को दिक्कत हो रही है। मंडलकारा में सिर्फ शराब के मामले में एक हजार से ज्यादा बंदी है। बेल पर रिहा होने के बाद भी शराब के मामले में बंद बंदियों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। शराब के मामले में जितने बंदी जेल से बाहर आते हैं, उससे ज्यादा फिर जेल में पहुंच जाते हैं। जेल सुपरिटेंडेंट ने बताया कि एक हजार से ज्यादा बंदी सिर्फ शराब के मामले में बंद है। जेल में बंदियों की संख्या बढ़ी है। फिलहाल क्षमता से अधिक बंदी है। बंदियों की संख्या में अचानक इजाफा होने से थोड़ी परेशानी बढ़ी है। लेकिन सब कुछ व्यवस्थित और सुचारू रूप से चल रहा है।

बिहार मुखिया चुनाव रिजल्ट : सामने आया एक और रोचक किस्सा, जेठानी और देवरानी में फंसा मामला

चौसा (बक्सर) (एजेंसी) । पंचायत चुनाव के अंगना में सियासत के कई रोचक किस्से देखने-सुनने को मिल रहे हैं। मामला चौसा प्रखंड के पलिया पंचायत के वार्ड आठ में वार्ड सदस्य पद के चुनाव का है। यहां मुख्य मुकाबला देवरानी और जेठानी के बीच में था। शनिवार को हुई मतगणना में जेठानी राजकुमारी देवी और देवरानी कुंजल देवी को बराबर मत हासिल हुए। दोबारा गिनती के बाद भी नतीजा जब वही आया तो लाटरी निकालकर जीत-हार का फैसला हुआ और किस्मत ने देवरानी का साथ दिया। चुनाव प्रचार में दोनों प्रत्याशियों के पति सहोदर भाइयों ने अपनी पत्नी को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। मुकाबला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था। प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी मो. असलम ने बताया कि पलिया पंचायत के वार्ड नं 8 में देवरानी और जेठानी समेत कुल चार उम्मीदवार मैदान में थे। मतगणना शुक्रवार की देर रात संपन्न हुई, जिसमें राज कुमारी देवी व कुंजल देवी को सौ-सौ मत हासिल हुए। फैसले के लिए प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी पास मामले को लाया गया। रात ज्यादा होने के कारण दूसरे दिन लॉटरी निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देकर दोनों को घर भेज दिया गया। शनिवार को दोनों घर से पूजा-पाठ करके मतगणना स्थल पर पहुंचीं। प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष दोनो के नाम से बैलेट में दो नाम की पर्ची डाली गई और किसी तीसरे को बुलाकर एक पर्ची निकलवाई गई, जिसमे देवरानी कुंजल देवी का नाम बाहर आया और उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया। उसी तरह डिहरी के वार्ड दो में भी अदिता देवी व गुड़िया देवी का मत 149-149 आ गया। जिनकी भी लॉटरी निकाली गई। लॉटरी अदिता देवी के पक्ष में आया। जिन्हें विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र निर्गत किया गया।

शराबी प्रधान शिक्षक पर कार्रवाई, नशे धुत रहने के आरोप में जेल, पश्चिम चंपारण का मामला

पश्चिम चंपारण (एजेंसी)। संसू थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक प्रधान शिक्षक समेत तीन लोगों को शराब के नशे में शुक्रवार की देर रात गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय कांटी अवस्थित श्रीपत नगर के प्रधान शिक्षक कुंदन कुमार गोंड, परसौनी गांव निवासी रामायण गौतम व भिलोरवा टोला गांव निवासी राजाराम गुप्ता को शराब के नशे की हालत में गिरफ्तार किया गय । तीनों लोग उत्तर प्रदेश से शराब पीकर बिहार की सीमा में प्रवेश कर रहे थे। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई है । गिरफ्तार तीनों को न्यायिक हिरासत में बेतिया भेज दिया गया है। प्रखंड के हरनाटांड़ स्थित आयुष एकेडमी कोड्क्षचग संस्थान के छात्र छात्राओं ने शनिवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जन जागृति रैली निकाली। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने शराब से होने वाले नुकसान को लेकर लोगों को जागरूक किया। संस्थान के संचालक महेंद्र कुमार के नेतृत्व में शिक्षक व बच्चे अपने हाथों में तख्तियां लेकर नशे से दूर रहने की सलाह दे रहे थे। नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता रैली में बच्चे लोगों से नशापान का त्याग करने की अपील करते रहे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने ''नशा छोड़ो रिश्ता जोड़ो, पियोगो दारू बच्चे व बीबी लगाएंगे झाड़ू'' सरीखे नारे लगाते रहे। कहा कि नशा से होने वाले नुकसान को गिनाया और नशाखोरी को समाज से जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस जन जागृति का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नशा मुक्ति को लेकर जागरूक करना था। जिससे कि वह अपने आसपास के लोगों को जागरूक कर सकें।

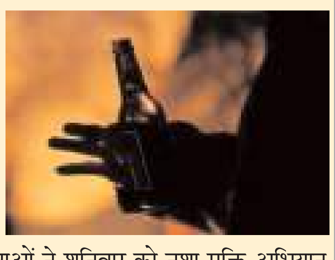

भभुआ नगर में नहीं सुधर रही एटीएम व्यवस्था, कई एटीएम के बीते छह माह से नहीं उठे शटर, सिर्फ एक एटीएम के सहारे नगर

भभुआ (एजेंसी) । लोगों की सुविधाओं को देखते हुए सरकार द्वारा कई तरह की सुविधाओं को बहाल किया जा रहा है। सभी सरकारी विभागों द्वारा आम लोगों को सुविधा देने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बैंक प्रबंधन द्वारा भी लोगों की सुविधा के लिए एटीएम की व्यवस्था की गई। लेकिन यह सुविधा आम लोगों के लिए वर्तमान समय में कारगर साबित नहीं हो पा रही है। भभुआ नगर में एटीएम व्यवस्था काफी बदहाल है। यहां एक-दो एटीएम को छोड़ शेष सभी एटीएम बंद रह रहे हैं।

कई एटीएम के शटर तो बीते छह माह से उठे तक नहीं हैं। ऐसे में लोगों को राशि निकासी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एटीएम व्यवस्था बदहाल होने के चलते सीएसपी में भी लोगों की खूब भीड़ हो रही है। बैंक खाता आधार से जोड़ने के बाद उपभोक्ताओं को राशि निकासी के लिए अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत संचालित सीएसपी में राशि मिल जा रही है। लेकिन सीएसपी में एक निर्धारित राशि ही मिलने से अधिक राशि निकालने के लिए लोग एटीएम में जा रहे हैं। लेकिन एटीएम बंद रहने के चलते लोगों को राशि नहीं मिल पा रही है। एटीएम बंद रहने के चलते लोग बैंक शाखाओं में पहुंच रहे हैं। ऐसे में बैंक शाखाओं की भीड़ भी कम नहीं हो रही है।

भभुआ नगर के पटेल चौक से लेकर कैमूर स्तंभ तक लगभग आधा दर्जन एटीएम हैं। इसमें एकता चौक के पास दो एटीएम व एक सीएसपी संचालित है। इसमें एक एटीएम बीते छह माह से बंद है। सिर्फ एक एटीएम के सहारे ही लोगों को राशि मिल रही है। उक्त एटीएम में भी कभी लिंक फेल तो कभी राशि नहीं होने के चलते लोगों को राशि नहीं मिल पाती। इससे लोग राशि निकासी के लिए दिनभर एटीएम का चक्कर लगाते रहते हैं। किसी एटीएम से राशि नहीं मिलने पर लोग अपना कार्य भी नहीं कर पाते। क्योंकि एटीएम व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बैंक प्रबंधन द्वारा कोई उचित कार्यवाही नहीं की जा रही।

पिच पर टिके रहने की जिद में लालू प्रसाद यादव, दिखा रहे नए तेवर

पटना (एजेंसी)। नौकरी में तो जरूरी है, लेकिन राजनीति से अवकाश लेना बहुत मुश्किल होता है। आजकल लालू प्रसाद यादव के साथ कुछ ऐसा ही हो रहा है। विरोधी बार-बार राजनीति की पिच से बाहर करने की कोशिश करते हैं, लेकिन लालू हैं कि हटने को तैयार नहीं। असल में विरोधियों के लिए लालू नहीं, लालू नाम ही काफी है। वो अपनी जीत का कारण भी लालू को ही मानते हैं, लेकिन लालू के सक्रिय रूप को नहीं चाहते। आजकल लालू का ठिकाना दिल्ली में बेटी मीसा का घर है, लेकिन मन उनका बिहार में रमता है। मौका चाहे चुनाव का हो या न्यायालय में उपस्थिति का, पटना आने का एक भी मौका नहीं चूकते। इस बार पटना आने पर अपनी सबसे पुरानी जीप चलाते अचानक घर से निकले तो लोग हैरान रह गए। जीप चलाने के बाद लालू संदेश दे गए कि सभी ड्राइवर हैं। बिहार की राजनीति में लालू प्रासंगिक हैं। विपक्षी अपनी

जीत का कारण जनता में लालू-राबड़ी राज का डर बताते हैं और लालू की राजनीतिक विरासत संभाले उनके छोटे पुत्र तेजस्वी यादव भी कुछ ऐसा ही समझते हैं। इसलिए पिछले विधानसभा के आम चुनाव में लालू का नाम पोस्टर तक से गायब कर दिया, लेकिन एनडीए उनका नाम जिंदा किए रहा और जीत राजद (राष्ट्रीय जनता दल) से चंद कदम दूर जाकर ठिठक गई। इस बार उपचुनाव में लालू नहीं माने और तारापुर व कुशेश्वरस्थान में जाकर सभा तक कर आए। जीत फिर भी एनडीए की झोली में ही गई। ठीकरा इस बार भी लालू के सिर फूटा कि वो नहीं आते तो लगभग साढ़े तीन हजार की तारापुर की हार, जीत में बदल जाती। उपचुनाव के दौरान सत्ता में भगदड़ मचा देने और महीना भर पटना में रहने के दावे हवा हो गए। हार के बाद मन में पटना रहने की लालसा दबाए लालू दूसरे ही दिन दिल्ली लौट गए। फिर उनके बीमार होने की बातें बाहर आने लगीं। हालत गंभीर होने की बात आम हो गई। लेकिन मंगलवार को सिविल कोर्ट में पेशी के कारण एक दिन पहले लालू पटना आ गए। कोर्ट के अलावा पार्टी कार्यालय में छह टन की लालटेन के अनावरण का भी कार्यक्रम था। बातों के अलावा अपनी गतिविधियों से भी अपनी ओर ध्यान खींचने वाले लालू इस बार कुछ अलग मूड में थे। पेशी के अगले दिन अपनी पहली जीप जो उन्होंने सेना से 1977 में सेकंड हैंड खरीदी थी, उसे देखने पास पहुंचे और फिर उस पर बैठ कर सरकारी आवास के भीतर ही चलाने लगे। पत्नी राबड़ी और बेटे तेजस्वी ने रोकने की कोशिश की, तो मानना तो दूर गेट खुलवा कर बाहर निकल गए। इधर जीप बाहर निकली, उधर खबर। प्रफुल्लित चेहरा कहीं से भी बीमार नहीं लग रहा था। लौटने के बाद उन्होंने दार्शनिक भाव लिए एक ट्वीट भी दाग दिया कि इस संसार में जन्मे सभी लोग किसी न किसी रूप में ड्राइवर ही तो हैं। आपके जीवन में प्रेम, सद्भाव, सौहार्द, शांति, सब्र, न्याय और खुशहाली रूपी गाड़ी सबको साथ लेकर सदा मजे से चलती रहे। गाड़ी के बहाने अपनी रफ्तार दिखा लालू, नीतीश पर कटाक्ष करते हुए दिल्ली लौट गए हैं। बड़े भाई तेजप्रताप के बगावती सुर और बहन मीसा भारती की तेजी को भी थाम लिया है। मंच और पोस्टर से लालू को गायब करने के बाद भी 75 सीटें हासिल कीं। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस उपचुनाव में तेजस्वी नहीं चाहते थे कि लालू बिहार आएं और लालू-राबड़ी राज का हथियार फिर विपक्ष को मिले, लेकिन पिता के आगे उनकी एक न चली।

फाफामऊ कांड में आठ आरोपित गिरफ्तार, दो अभियुक्तों को पकड़ने पुलिस टीम मुंबई रवाना

प्रयागराज (एजेंसी) । फाफामऊ इलाके में पति-पत्नी और बेटे-बेटी की बेरहमी से हत्या के मामले में नामजद 11 आरोपितों में आठ लोगों को पुलिस टीमों ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। दो आरोपितों के बारे में पता चला है कि वे मुंबई में हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए टीम को रवाना कर दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों से अलग-अलग टीमें पूछताछ कर रही हैं। फाफामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार रात एक परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई थी। मृतक अधेड़ के भाई ने गांव के ही 11 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें आकाश सिंह, बबलू, अमित सिंह, रवि, मनीष, अभय, राजा, कुलदीप, कान्हा ठाकुर, अशोक व रंचू शामिल थे। इन पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुवार शाम को ही पुलिस ने नामजद आरोपितों में आकाश सिंह, बबलू, अमित, रवि, रिंचू को पकड़ लिया था, जबकि मनीष, अभय और राजा को रात में गिरफ्तार किया गया। कुलदीप के बारे में पता चला कि वह अस्पताल में भर्ती है और चलने-फिरने में असमर्थ है। वहीं, अशोक और कान्हा ठाकुर के बारे में जानकारी हुई कि वे मुंबई में हैं। अस्पताल पहुंचकर पुलिस ने भर्ती आरोपित के बारे में डाक्टर से जानकारी ली। वह किस बीमारी का इलाज करा रहा है और कब से भर्ती है, इस बारे में पूछा गया। वहीं, मुंबई में जो दो आरोपित हैं, उनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही गिरफ्तार किए गए आठ आरोपितों से पुलिस टीमें अलग-अलग पूछताछ कर रही हैं। इनके द्वारा जो बताया जा रहा है, उसे क्रास चेक भी किया जा रहा है। एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी का कहना है कि आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई से दो और आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए टीम भेजी गई है। अस्पताल में भर्ती एक आरोपित से भी पूछताछ हुई है। घटना के सभी बिंदुओं को खंगाला जा रहा है। वारदात को अंजाम जमीन के विवाद को लेकर दिया गया या फिर कोई और वजह थी, इसकी बारीकी से पड़ताल हो रही है। जल्द ही मामले का राजफाश किया जाएगा।

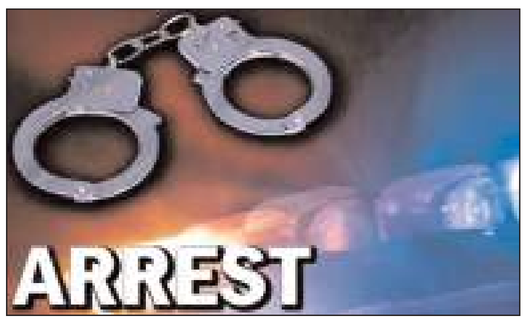

कैमूर के पांच फर्जी शिक्षकों की जाएगी नौकरी, एक दर्जन से अधिक रडार पर : जल्द आएगा बड़ा फैसला

भभुआ (एजेंसी) । कैमूर जिले की विभिन्न नियोजन इकाईयों में हुई नियोजन प्रक्रिया में तथ्य छिपा कर शिक्षक बनने का मामला सामने आया है। ऐसे पांच नियोजित शिक्षकों को जांच के दौरान चिह्नित किया गया है। जिनकी नौकरी जानी तय है। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने पत्र लिखकर नियोजन इकाई से तत्काल उक्त शिक्षकों को हटाने तथा अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दरअसल नियोजन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद एसटीईटी व सीटीईटी के कागजातों की डिजी लॉकर, सीडी व पेन ड्राइव के माध्यम से जांच की गई। जिसमें जिले के पांच शिक्षकों के द्वारा गलत तरीके से नियोजन करा लेने का मामला सामने आया।

इस मामले में जल्द ही नियोजन रद्द करने के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक अधौरा के कोल्हुआ पंचायत में नियोजन के क्रम में 79 अंक प्राप्त होते हुए अनुत्तीर्ण अनामिका का चयन कर लिया गया। भभुआ प्रखंड के मींव पंचायत नियोजन में 79 अंक प्राप्त कर अनुत्तीर्ण होने वाले तुलीका राज का चयन कर लिया गया। नुआंव प्रखंड के तरैथा में दिसंबर में पास करने के मामले में उसका मान्य नहीं होने पर जागृति ड्क्षसह को हटाने के लिए पत्र लिखा गया है। जबकि चांद के गोई पंचायत के नियोजन इकाई द्वारा नीतू कुमारी का सीटीईटी की जांच डीजी लॉकर से की गई तो उसमें पाया गया कि रोल नंबर में दूसरे का नाम दर्ज है।

ऐसे में फर्जीवाड़ा के मामले में नियोजन को तत्काल रद्द करने तथा उस पर विधि सम्मत कार्रवाई करने की अनुशंसा की गई है। चैनपुर प्रखंड नियोजन इकाई बेसिक ग्रेड में संतोष कुमार अनुत्तीर्ण होने के बाद कागजात से छेड़छाड़ कर उत्तीर्ण अंक कर चयन करा लिया। ऐसे में सभी नियोजन इकाई से उपरोक्त सभी का नियोजन रद्द करने तथा उन पर कार्रवाई करने के लिए डीपीओ स्थापना दयाशंकर सिंह ने पत्र लिखा है।

बिहार के पंचायत चुनाव में हुई पाकिस्तान की इंट्री, शेखपुरा में वोटिंग से दो दिन पहले लगे जिंदाबाद के नारे

शेखपुरा (एजेंसी)

देश के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में तो पाकिस्तान मुद्दा बनता ही रहा है। अब पंचायत चुनाव में भी इसकी इंट्री हो गई है। एक वीडियो वायरल हुआ है जो शेखपुरा जिले के अरियरी प्रखंड के हुसैनाबाद पंचायत का बताया जाता है। इस वायरल वीडियो में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। राजद महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष धनमंती देवी ने आरोप लगाया है कि इस तरह की नारेबाजी की गई है। सोमवार को होने वाले चुनाव से दो दिन पहले वायरल हुए इस वीडियो की जांच में पुलिस जुट गई है। एसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया इस तरह की जानकारी मिली है, इसकी जांच कराई जा रही है। वायरल वीडियो की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि सोमवार को अरियरी प्रखंड में पंचायत चुनाव का मतदान होना है। इसी दौरान इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक मुखिया प्रत्याशी के समर्थकों ने कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए हैं। राजद महिला सेल की जिलाध्यक्ष धनमंती देवी ने चुनाव प्रचार में पाकिस्तान संबंधी नारा लगाए जाने को काफी गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रविरोधी हरकत है। उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। धनमंती ने कहा पंचायत चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने तथा वोटरों के ध्रुवीकरण की नीयत से यह साजिश की गई है। राजद नेत्री का दावा है यह अरियरी प्रखंड के हुसैनाबाद पंचायत में एक मुखिया प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में शुक्रवार को समर्थकों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पंचायत का माहौल गर्म हो गया है। लोगों का कहना है कि इस तरह की हरकत गलत है। ऐसा करना किसी की भावना को ठेस पहुंचा सकता है।

शिकायत का असर जागा प्रशासन सवाई माधोपुर कलेक्ट्री का मुख्य द्वार होने लगा रात मे बंद पर पिछला द्वार अभी भी राम भरोसे

माधोपुर.ओपन सर्च

सवाई माधोपुर जिला कलेक्ट्री के दोनो द्वार रात में खुले रहते थे और इन पर कोई सुरक्षा कर्मी भी नही होता था इस बात की शिकायत पिछले दिनो हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भईया ने यहाँ आने पर जिला जज जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक को लिखित में फ़ोटो सहित की थी। जिला प्रशासनिक मुख्यालय कलेक्ट्री की सुरक्षा से जुडा मामला होने के कारण इस पूरे मामले को सभी समाचार पत्रों के पत्रकारों ने भी अपने समाचार पत्रों में प्रमुखता से छापा था इस बात का सीधा असर जिला प्रशासन पर पड़ा और जिला प्रशासन नींद से जागा। अब रात में जिला कलेक्ट्री का मुख्य द्वार तो बंद किया जाने लगा है परंतु पिछला द्वार अब भी पूर्व की भाँति रात में खुला पड़ा रहता है और अब भी यहाँ कोई सुरक्षा कर्मी नही होता कल मेवाड़ एक्सप्रेस से रात साढे ग्यारा बजे दिल्ली से सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर उतर राजा भईया पूर्व की तरह पैदल अपने निवास गणेश नगर बी कलेक्ट्री के पीछे जा रहे थे तो देखा की कलेक्ट्री का मुख्य द्वार तो बंद था परन्तु पिछला द्वार पूर्व की तरह आज भी खुला पड़ा था। यहाँ आज भी कोई सुरक्षा कर्मी तैनाथ नही था उन्होंने तुरंत अपने मोबाईल से दोनो गेटों के फ़ोटो लिए और आज फ़िर से फ़ोटो सहित इस बाबत जिला कलेक्टर और जिला एस पी को ई मेल द्वारा शिकायत की हैं राजा भईया ने प्रेस नोट और कल रात के फ़ोटो पत्रकारों को देते हुए कहां कि ये बात आज भी समझ से परे है की शिकायत के बाद जब कलेक्ट्री का मुख्य द्वार बंद किया जाने लगा है तो पिछला द्वार क्यो बंद नही किया जा रहां और ना ही यहाँ कोई सुरक्षाकर्मी तैनाथ किया गया है। आखिर सम्बंधित अधिकारी क्यों किसी बड़ी बरदात होने का इंतज़ार कर रहे है आखिर जिले के प्रशासनिक मुख्यालय जिला कलेक्ट्री की सुरक्षा का ये आलम है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा जबकि इस परिसर में तीन कोर्ट क्रिमीनल रिकोर्ड रूम ड़ीएम एसपी सहित कई बड़े बड़े पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालय व उनके रिकोर्ड रूम व अधिवक्ताओं के चैम्बर सीटें तथा जिला अधिवक्ता बार एसोसीएशन का दफ़्तर मौजूद है फ़िर सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक आखिर शासन व प्रशासन के अधिकारी कैसे और क्यों कर रहे हैं।

जिला प्रशासनिक मुख्यालय कलेक्ट्री की सुरक्षा से जुडा मामला होने के कारण इस पूरे मामले को सभी समाचार पत्रों के पत्रकारों ने भी अपने समाचार पत्रों में प्रमुखता से छापा था इस बात का सीधा असर जिला प्रशासन पर पड़ा और जिला प्रशासन नींद से जागा।

नवादा में विजयी मुखिया के समर्थक के घर पर हमला, 12 लाख रुपये की लूट

स्कूल बस में आगजनी, हिरासत में 16 लोग

नारदीगंज । (एजेंसी) नारदीगंज थाना क्षेत्र के परमा गांव में शुक्रवार की रात परमा पंचायत की विजयी मुखिया दर्शनिया देवी के समर्थक रामचंद्र प्रसाद के घर पर हमला किया गया। इस दौरान घर पर जमकर पत्थरबाजी की गई। घर के पास लगी स्कूल बस और मैजिक वाहन को आग के हवाले कर दिया गया।

दरवाजे पर खड़ी स्कार्पियो वाहन को क्षतिग्रस्त किया गया। घर में संचालित पीएनबी के ग्राहक सेवा केंद्र में भी तोड़फोड़ और लूटपाट की बात कही जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही रात में एसपी डीएस सावलाराम, सदर एसडीएम उमेश कुमार भारती, सदर एसडीपीओ उपेंद्र प्रसाद, नारदीगंज थाना की पुलिस वहां पहुंच गई। मौके से दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया गया। आरोप विरोधी खेमे के प्रमोद यादव पर है। वैसे दोनों लोगों के बीच कई वर्षो से पुराना विवाद भी चला आ रहा है। बताया जाता है कि रामचंद्र और उनके परिवार के सभी सदस्य मतगणना को लेकर शुक्रवार को नवादा पहुंचे हुए थे। देर शाम परिणाम की घोषणा होने के बाद विरोधी खेमे ने उनके घर पर हमला कर दिया।

इस दौरान घर पर पत्थरबाजी की गई। जिसमें घर में लगे सभी शीशे टूट गए। रामचंद्र के भतीजा ज्वाला प्रसाद उर्फ पिंटू सर निजी स्कूल का संचालन करते हैं। उनके स्कूल बस और मैजिक वाहन में आग लगा दी गई। स्कॉर्पियो को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ग्राहक सेवा केंद्र में भी तोड़फोड़ की गई। पीड़ित परिवार का कहना है कि ग्राहक सेवा केंद्र में 12 लाख रुपये की लूट हुई है। घटना के बाबत बताया जा रहा है कि मतदान के दौरान रामचंद्र ने वोगस वोटिंग का विरोध किया था। फलस्वरुप मतदान के दिन भी उनके साथ मारपीट की गई थी। शुक्रवार को परिणाम आने के बाद विरोधी खेमे के लोग उग्र हो गए और हमला कर दिया। रामचंद्र की पत्नी आरती देवी ने बताया कि दो दर्जन से अधिक की संख्या में हमलावर पहुंचे थे। वे सभी उनके बेटे पिंटू को खोज रहे थे।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी तरह वह खुद को घर में बंद कर ली। जिससे जान बच गई। वे लोग आग में झोंकने की बात कह रहे थे। घटना की जानकारी मिलने पर नारदीगंज थाना की पुलिस परमा पहुंची। लेकिन उपद्रवियों के तेवर देख उन्हें बैकफुट पर रहना पड़ा। एक वरीय अधिकारी ने बताया कि उपद्रवियों ने नारदीगंज थाना की पुलिस को खदेड़ दिया था। जिसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल वहां पहुंची। नारदीगंज के साथ ही नवादा नगर और मुफस्सिल थाना के साथ ही पुलिस लाइन से पुलिस बल को परमा भेजना पड़ा। स्वाट दस्ता भी मौके पर पहुंची।

जिसके बाद हालात पर काबू पाया जा सका। सदर एसडीएम-एसडीपीओ ने घटना का जायजा लिया। देर रात एसपी डीएस सावलाराम ने गांव पहुंच कर छानबीन की। बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस बल ने कार्रवाई शुरू की। इस दौरान 16 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। सभी लोगों से थाना में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस गांव में कैंप कर रही है। गांव में तनाव व्याप्त है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए कई युवा खिलाड़ियों ने भारतीय चयनकर्ताओं की बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी) । कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत के साथ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए, चयनकर्ता और भारतीय क्रिकेट टीम आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए खिलाड़ियों का चयन करने में दुविधा में पड़ सकती है। भारत अपने छह बड़े खिलाड़ियों के बिना कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेल रहा है, जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है, जबकि केएल राहुल चोट लगने के कारण बाहर है। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुवाई कर रहे हैं, हालांकि कोहली मुंबई में दूसरे टेस्ट के लिए वापसी करेंगे और टीम की कप्तानी संभालेंगे। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कई भारतीय खिलाड़ी चोटिल हो गए थे, इसके बाद युवा खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया था, लेकिन न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट सीरीज के लिए कई बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित और राहुल ने पारी की शुरुआत की थी और टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन किए थे। अब उनकी अनुपस्थिति में शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल ने कानपुर में पहले टेस्ट की पहली पारी में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाई। जहां मयंक ने 13 रन बनाए और गिल ने 52 रन की बेहतरीन पारी खेली। बता दें कि गिल और अग्रवाल दोनों पहले भारत के लिए विदेशी परिस्थितियों में सलामी बल्लेबाजी कर चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज में जाने से पहले भारत के पास अब रोहित, राहुल, शुभमन और मयंक के रूप में अपने सलामी बल्लेबाजों को चुनने के लिए चार विकल्प होंगे। दिलचस्प बात यह है कि ये चारों मध्य क्रम में भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इस बीच, श्रेयस अय्यर ने भी कोहली की अनुपस्थिति में मौके का अच्छा फायदा उठाया। मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने अपना पहला टेस्ट डेब्यू शतक बनाया। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि जब विराट अगले टेस्ट के लिए आते हैं तो क्या अय्यर को टीम में मौका दिया जाएगा या नहीं। लेकिन राहुल अभी भी चोट के कारण बाहर हैं। शानदार शतक के साथ टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का आगमन और गिल के रनों के बीच वापसी निश्चित रूप से रहाणे और पुजारा पर दबाव बनाएगी। दोनों पिछले दो सालों से लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में उनका स्थान भारतीय प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया हुआ है। मौजूदा पहले टेस्ट में पुजारा (26) और रहाणे (35) रन ही बना सके। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी और भले ही अनुभवी जोड़ी को उस टीम न लिया जाए। इस पर कप्तान विराट कोहली और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को कुछ कठोर निर्णय लेने पड़ सकते हैं। दूसरी तरफ सूर्यकुमार यादव भी हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वह भी टीम में आने की दस्तक दे रहे हैं। इसके अलावा, ऋषभ पंत को भी टेस्ट सीरीज के लिए आराम दिया गया है और रिद्धिमान साहा और भारत विकेटकीपर के रूप में खेल रहे हैं। लेकिन, उनकी गर्दन में आई समस्या के बाद भरत को तीसरे दिन मैदान पर विकेटकीपर के रूप में उतरना पड़ा। भारतीय गेंदबाज इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल और जयंत यादव को कीवी टीम के खिलाफ मौजूदा सीरीज के लिए चुना गया है जबकि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी सीरीज के बाद वापसी करेंगे। जरूरत पड़ने पर चयन के लिए शार्दुल ठाकुर और भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों पर भी विचार किया जा सकता है। एक फिट वाशिंगटन सुंदर, जिसने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था, वह भी एक अच्छा विकल्प है। नए युवा खिलाड़ियों को देखते हुए चयनकर्ता और भारतीय टीम प्रबंधन को निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम के चयन में दुविधा आने वाली है। भारतीय क्रिकेट टीम दिसंबर के मध्य से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार स्थानों जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन, पार्ल और केप टाउन में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 मैच खेलने वाली है।

रितु फोगाट एमएमए फाइनल में स्टैम्प फेयरटेक्स का सामना करेंगी

नयी दिल्ली (एजेंसी) । भारत की पूर्व पहलवान रितु फोगाट तीन दिसंबर को 'वन विमेंस एटम वेट (48 किग्रा वर्ग) वर्ल्ड ग्रां प्री चौंपियनशिप (मिक्स्ड मार्शल आर्ट) फाइनल' में किक-बॉक्सिंग विश्व चौंपियन थाईलैंड की स्टैम्प फेयरटेक्स से भिड़ेंगी। फेयरटेक्स 'मॉय थाई' की पूर्व विश्व चौंपियन भी हैं। 'मॉय थाई' भी मार्शल आर्ट का एक रूप है जिसकी उत्पत्ति थाईलैंड में हुई थी। इसे 'आठ अंगों की कला' कहा जाता है। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज रितु ने कहा कि वह सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में 48 किग्रा वर्ग के अपने आगामी मुकाबले की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। यहां जारी विज्ञप्ति में रितु ने कहा, ''भारत से अब तक कोई महिला एमएमए चौंपियन नहीं बनी है और अब मेरे पास इस स्थिति को बदलने और वैश्विक मंच पर भारतीय महिला को पहचान दिलाने का मौका है। मैं भारत को गौरवान्वित करने की पूरी कोशिश करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं बहुत लंबे समय से फाइनल के लिए तैयारी कर रही हूं और मैंने पिछले दो वर्षों से अनगिनत घंटों तक प्रशिक्षण लिया है।'' उनके प्रतिद्वंद्वी, फेयरटेक्स को इस भार वर्ग में सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। भारत की 27 साल की खिलाड़ी ने कहा कि कुश्ती के अनुभव के कारण वह थाईलैंड की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ फायदे में रहेंगी। उन्होंने कहा, ''फेयरटेक्स निश्चित रूप से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है लेकिन उसके पास उस तरह का कुश्ती का अनुभव और पृष्ठभूमि नहीं है जो मैंने पिछले सात वर्षों में हासिल किया है। मुझे यकीन है कि मेरी बेहतर कुश्ती की पृष्ठभूमि से मुझे फायदा होगा।'

स्टीव स्मिथ की उप कप्तानी में वापसी से शेन वार्न खुश नहीं

सिडनी (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न इस बात से खुश नहीं हैं कि पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ कप्तानी की भूमिका में लौट सकते हैं, लेकिन डेविड वार्नर अपने क्रिकेट करियर के दौरान अभी भी अपने देश की कप्तानी या उप-कप्तानी से निलंबित रहेंगे। वार्न ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्नस लाबुस्चगने को उप-कप्तान बनाने की मांग की है। स्मिथ, जिन्होंने 2018 में गेंद से छेड़छाड़ में शामिल होने को लेकर टीम में उनपर एक साल का प्रतिबंध लगा था, उन्हें आठ दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में शुरू होने वाली एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। बता दें कि, 2018 में केप टाउन के न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान एक विवाद हुआ था, जिसमें तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ, उनके उप कप्तान डेविड वार्नर और टीम के साथी कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर अलग-अलग समय के लिए प्रतिबंध लगाया गया था। एक साल के निलंबन के अलावा, स्मिथ पर दो साल कप्तानी करने पर भी बैन लगा था, जबकि वार्नर जो तत्कालीन उप-कप्तान थे, उनपर भी एक साल का प्रतिबंध के साथ आजीवन उप कप्तानी पर बैन लगाया गया था। वार्न ने शनिवार को हेराल्ड सन के एक कॉलम में लिखा, हम सभी स्टीव स्मिथ से प्यार करते हैं और हमें गर्व है कि वह फिर से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज बनेंगे, लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम का उपकप्तान नहीं होना चाहिए था। हर कोई गलती करता है, लेकिन स्टीव स्मिथ को जो सजा दी गई थी, वह बहुत गंभीर थी।

एशेज सीरीज से पहले इयान चौपल ने स्मिथ को उप-कप्तान नियुक्त करने की आलोचना की

सिडनी (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी इयान चौपल ने एशेज सीरीज से पहले स्टीव स्मिथ को टीम का उप-कप्तान नियुक्त करने के क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा अगर मैंने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में धोखा दिया होता, तो वे (सीए) मुझसे काम छीन लेते और कहते कि मैं खेल से इस्तीफा दे दूं। चौपल की टिप्पणियों ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान हुई गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण पर फिर से ध्यान आकर्षित किया है। तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ, उनके उप कप्तान डेविड वार्नर और टीम के साथी कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर छेड़छाड़ को लेकर कई दिनों तक उनपर खेलों में प्रतिबंध लगा दिया था।

चौपल ने शनिवार को वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स रेडियो पर कहा, स्टीव स्मिथ को सजा के लिए डेविड वार्नर से अलग क्यों देखा जाता है? वास्तव में, मुझे लगता है कि स्टीव स्मिथ का अपराध अधिक था। एक कप्तान को इस धोखाधड़ी के बारे में पता होना चाहिए, उसे पता लगाना चाहिए था और उसे इसके बारे में कुछ करना चाहिए था। चौपल ने कहा कि अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो उन्हें कभी माफ नहीं किया जाता, शायद उनके लिए जीवन भर के लिए दरवाजा बंद कर दिया जाता। धोखा देना धोखा है, चाहे वह बड़ी धोखाधड़ी हो या छोटी, यह अभी भी मेरी किताब में धोखा है। मैंने भी बहुत सारी गलतियां कीं लेकिन मैंने धोखा नहीं दिया। और अगर मैं धोखा दिया होता तो ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहेगा, उन्होंने मुझसे नौकरी छीन ली होती।

एटीके मोहन बागान का एससी ईस्ट बंगाल से मुकाबला

मडगांव (एजेंसी) । तिलक मैदान में शनिवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एटीके मोहन बागान कोलकाता डर्बी में एससी ईस्ट बंगाल से भिड़ेंगे। एससी ईस्ट बंगाल ने अच्छा प्रदर्शन दिखाते हुए खेल के अंत में जमशेदपुर एफसी के साथ मैच ड्रा किया और 1-1 अंक साझा किए। जबकि एटीके मोहन बागान ने सीजन में केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ 4-2 की जीत के साथ अपने खेल की शुरुआत की थी। बता दें कि, एससी ईस्ट बंगाल अपने पिछले पांच मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है, जिसमें उसने तीन मैच हारे हैं और शेष दो में बराबर अंक हैं। हालांकि, वे अभ्यास खेलों से प्रेरणा लेंगे, जहां उन्होंने तीन जीते और चौथे में गत चौंपियन मुंबई सिटी के खिलाफ ड्रॉ मैच खेला। एटीके मोहन बागान ने अपने पिछले पांच मैचों में से तीन में जीत हासिल की है और एक ड्रॉ खेला है। इसमें 2021 एएफसी कप के मैच शामिल हैं, जहां उन्होंने बेंगलुरु एफसी और मालदीव के माजिया एफसी को हराया था, लेकिन इंटर-जोनल सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की ओर से नसाफ एफसी ने उन्हें हराया था। पिछले सीजन में इन दोनों टीमों के बीच खेले गए दो मैचों में, एटीके मोहन बागान ने दोनों में जीत हासिल की। एटीके मोहन बागान पहले दिन केरला ब्लास्टर्स पर जीत से खुश होगा, लेकिन खेल में कुछ जगहों पर सुधार की जरूरत है।

साहा की गर्दन में दर्द, केएस भरत संभालेंगे विकेटकीपर का मोर्चा

कानपुर (एजेंसी) । ग्रीन पार्क में खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारतीय टीम के विकेटकीपर रिद्धिमान साहा गर्दन में दर्द के कारण डॉक्टर की देखरेख में हैं। जब तक वो मैच में वापसी नहीं कर लेते तब तक उनकी जगह केएस भरत विकेटकीपर का मोर्चा संभालेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि डॉक्टर साहा के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं और केएस भरत उनकी जगह विकेटकीपिंग का मोर्चा संभालेंगे। बीसीसीआई के बयान में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि साहा विकेटकीपर के लिए कब वापसी कर पाएंगे। बता दें कि टिम साउदी की गेंद पर विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच आउट होने से पहले साहा ने भारत की पहली पारी में एक रन बनाया था। इससे पहले शुक्रवार को, श्रेयस अय्यर ने शतक लगाया था, लेकिन टिम साउदी द्वारा पांच विकेट लेने के बाद सलामी बल्लेबाज विल यंग और टॉम लैथम के अर्धशतकों की मदद से टीम ने दूसरे दिन बिना विकेट खोये 129 रन बना लिए थे।

एशेज सीरीज से पहले इयान चैपल ने स्मिथ को उप-कप्तान नियुक्त करने की आलोचना की

सिडनी (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी इयान चैपल ने एशेज सीरीज से पहले स्टीव स्मिथ को टीम का उप-कप्तान नियुक्त करने के क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा अगर मैंने एक ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में धोखा दिया होता, तो वे (सीए) मुझसे काम छीन लेते और कहते कि मैं खेल से इस्तीफा दे दूं। चैपल की टिप्पणियों ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान हुई गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण पर फिर से ध्यान आकर्षित किया है। तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ, उनके उप कप्तान डेविड वार्नर और टीम के साथी कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर छेड़छाड़ को लेकर कई दिनों तक उनपर खेलों में प्रतिबंध लगा दिया था। चैपल ने शनिवार को वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स रेडियो पर कहा, स्टीव स्मिथ को सजा के लिए डेविड वार्नर से अलग क्यों देखा जाता है? वास्तव में, मुझे लगता है कि स्टीव स्मिथ का अपराध अधिक था। एक कप्तान को इस धोखाधड़ी के बारे में पता होना चाहिए, उसे पता लगाना चाहिए था और उसे इसके बारे में कुछ करना चाहिए था। चौपल ने कहा कि अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो उन्हें कभी माफ नहीं किया जाता, शायद उनके लिए जीवन भर के लिए दरवाजा बंद कर दिया जाता। धोखा देना धोखा है, चाहे वह बड़ी धोखाधड़ी हो या छोटी, यह अभी भी मेरी किताब में धोखा है। मैंने भी बहुत सारी गलतियां कीं लेकिन मैंने धोखा नहीं दिया। और अगर मैं धोखा दिया होता तो ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहेगा, उन्होंने मुझसे नौकरी छीन ली होती।

हसरंगा की गेंदबाजी ने ग्लैडियेटर्स को दिलाई जीत

अबू धाबी (एजेंसी) । डेक्कन ग्लैडिएटर्स ने चेन्नई ब्रेव्स पर पांच विकेट की जीत के साथ अबू धाबी टी10 लीग में चार मैच जीतने के बाद अंकों में दूसरे स्थान पर छलांग लगा दी है।

शुक्रवार को लीग में चेन्नई ब्रेव्स के बल्लेबाजों पर ग्लैडिएटर्स के गेंदबाज भारी पड़ते हुए दिखाई दिए और अपने प्रदर्शन से दस विकेट लेकर मैच की पहली पारी को 57 रन पर रोक दिया।

डेक्कन ग्लैडिएटर्स के श्रीलंकाई खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा ने दो ओवर में नौ रन देकर तीन विकेट झटके। वहीं, गेंदबाज रईस और रसेल ने भी दो ओवर में दो-दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरे डेक्कन ग्लैडियेटर्स ने छह ओवर में ही मैच को अपने नाम कर लिया। सलामी बल्लेबाज टॉम कोहलर और टॉम बैंटन ने विरोधी टीम द्वारा दिए गए लक्ष्य का पीछा किया। जिसमें कोहलर ने एक चौका और एक छक्के की बदौलत 3 गेंदों में टीम में 10 रन जोड़े। तभी गेंदबाज प्रदीप के ओवर में तेज शॉट लगाते हुए रोमन वॉकर को कैच थमा बैठे। वहीं, बैंटन ने भी दो चौके की मदद से 15 गेंदों में टीम के लिए 19 रन जोड़े। तभी बल्लेबाज तेज शॉट लगाते हुए परेरा के ओवर में राजापक्षे को कैच थमा बैठे। इसके बाद पारी संभालने आए मूरेस, जादरान और स्मिथ भी जल्द गेंदबाजों की चपेट में आकर पवेलियन वापस लौट गए। बल्लेबाज डेविड और रसेल ने टीम में 23 रन जोड़कर पारी को छह ओवर में समाप्त कर मैच को अपने नाम कर लिया। इससे पहले, चेन्नई ब्रेव्स के सलामी बल्लेबाज राजपक्षे ने बाउंड्री के साथ पारी की शुरुआत की। लेकिन लंबे समय वे मैदान में टिक नहीं सके और हसरंगा के दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर पवेलियन वापस लौट गए।

इटली और पुर्तगाल विश्व कप प्लेऑफ में एक ही ड्रा में

जिनेवा (एजेंसी) । कतर में 2022 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में या तो इटली की टीम खेलेगी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम। मौजूदा यूरोपीय चौम्पियन इटली और पूर्व चौम्पियन पुर्तगाल को शुक्रवार को निकाले गए प्लेआफ ड्रॉ में एक ही वर्ग में रखा गया है यानी एक का बाहर होना तय है। इटली को मार्च में प्लेआफ सेमीफाइनल में नॉर्थ मेसेडोनिया से खेलना है।इसके विजेता का सामना विश्व कप में जगह बनाने के लिये पुर्तगाल या तुर्की से होगा। चार बार की चौम्पियन इटली 2018 विश्व कप नहीं खेल सकी थी और 1958 के बाद पहली बार क्वालीफाई नहीं कर पाई। अब उसे लगातार दूसरी बार विश्व कप से बाहर होने से बचने के लिये 2016 यूरो चौम्पियन पुर्तगाल को हराना पड़ेगा। इटली के कोच राबर्टो मंचिनी ने कहा ,'' यह अच्छा ड्रॉ नहीं है और बेहतर हो सकता था। हम पुर्तगाल से खेलने से बचना चाहते थे जैसे वे हमसे खेलना नहीं चाहते होंगे।'' रोनाल्डो 2006 के बाद सारे विश्व कप खेले हैं और खिताब जीतने का यह उनके पास आखिरी मौका है। बारह टीमों के ड्रॉ में स्कॉटलैंड का सामना उक्रेन से होगा और विजेता टीम वेल्स या आस्ट्रिया से खेलेगी। रूस का सामना पोलैंड से होगा और फाइनल में स्वीडन या चेक गणराज्य से टक्कर होगी। छह प्लेआफ सेमीफाइनल 24 मार्च से खेले जायेंगे। तीन फाइनल उसके पांच दिन बाद होंगे। तीन विजेता कतर में 2022 में होने वाले विश्व कप की 32 टीमों में शामिल होंगे।

रसेल और हेटमायर ने पाकिस्तान के साथ होने वाली सीरीज से नाम लिया वापस

एंटिगुआ (एजेंसी) । वेस्टइंडीज के चार प्रमुख क्रिकेटर आंद्रे रसेल, शिमरोन हेटमायर, लेंडल सिमंस और एविन लुईस ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस साल के अंत में पाकिस्तान के साथ होने वाली सफेद गेंद की सीरीज के लिए कैरेबियाई टीम से अपना नाम वापस ले लिया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के चयनकर्ताओं ने 13 दिसंबर से कराची में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ शुरू होने वाले दौरे के लिए चार नए खिलाड़ी (शमरह ब्रूक्स, जस्टिन ग्रीव्स, गुडाकेश मोती और ओडियन स्मिथ) को टीम में शामिल किया है।

इस दौरे में तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे और यह 22 दिसंबर को समाप्त होगा। सभी मैच कराची के नेशनल स्टेडियम में होंगे। वनडे के लिए डेब्यू करने वाले जस्टिन ग्रीव्स और शमर ब्रूक्स बल्लेबाज हैं, वहीं गुडाकेश मोती बाएं हाथ के स्पिनर हैं। जबकि, ओडियन स्मिथ एक ऑलराउंडर हैं। संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान मोती एक रिजर्व खिलाड़ी के रूप में मौजूद रहे, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ड्रेक्स और स्मिथ नेट गेंदबाज थे। सीडब्ल्यूआई के मुख्य चयनकर्ता रोजर हार्पर ने टीम की घोषणा के बाद कहा कि, प्रत्येक प्रारूप में कई प्रतिभाशाली नए चेहरे हैं जिन्हें यह दिखाने का अवसर मिलेगा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या करने में सक्षम हैं। जस्टिन ग्रीव्स एक बहुत ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। दोनों सीरीज के लिए टीम इस प्रकार हैं- वनडे टीमः कीरोन पोलार्ड (कप्तान), शाई होप, डैरेन ब्रावो, शमरह ब्रूक्स, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोती, एंडरसन फिलिप, निकोलस पूरन, रेमन रीफर, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ और हेडन वॉल्श जूनियर। टी20 टीमः कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन, डैरेन ब्रावो, रोस्टन चेज, शेल्डन कॉटरेल, डोमिनिक ड्रेक्स, शाई होप, अकील हुसैन, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशाने थॉमस और हेडन वाल्श जूनियर। टूर शेड्यूलः कराची में सभी मैचः 13 दिसंबर - पहला टी20 14 दिसंबर - दूसरा टी20 16 दिसंबर - तीसरा टी20 18 दिसंबर - पहला वनडे 20 दिसंबर - दूसरा वनडे 22 दिसंबर - तीसरा वनडे

क्रुणाल पांड्या ने खराब प्रदर्शन के बाद छोड़ दी इस टीम की कप्तानी, बतौर खिलाड़ी खेलते रहेंगे

वडोदरा (एजेंसी) । टीम इंडिया के आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने बड़ौदा क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है। बड़ौदा क्रिकेट संघ से जुड़े अजित लेले ने ये बात पीटीआइ-भाषा को बताई और कहा कि इसके पीछे की वजह का खुलासा उन्होंने नहीं किया है। लेले ने कहा कि क्रुणाल पांड्या बतौर खिलाड़ी टीम के साथ जुड़े रहेंगे। उनके इस फैसले की जानकारी बोर्ड के अध्यक्ष को दे दी गई है और इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा इसके ऊपर जल्दी ही होने वाले बैठक में किया जाएगा। क्रुणाल पांड्या के बाद इस टीम का अगला कप्तान कौन हो सकता है इसके बारे में फिलहाल कुछ साफ नहीं है, लेकिन केदार देवधर को इसके सबसे बड़े दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस बात की उम्मीद है कि अगले महीने महीने से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केदार को कप्तान बनाया जा सकता है। वहीं ऐसा माना जा रहा है कि क्रुणाल पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2021 में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद ये कदम उठाया है। बड़ौदा की टीम ने इस टूर्नामेंट ने इस साल एक मैच जीते थे और चार मुकाबलों में उसे हार मिली थी। महज चार अंक के साथ ये टीम ग्रुप बी में निचले पायदान पर रही थी और ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 30 साल के क्रुणाल पांड्या के बारे में बात करें तो फिलहाल वो टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। भारत के लिए अब तक उन्होंने 19 टी20 इंटरनेशनल मैच तो वहीं 5 वनडे मुकाबले खेले हैं। 5 वनडे मैचों में क्रुणाल पांड्या ने 130 रन बनाए थे और 2 विकेट लिए हैं। वहीं 19 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 124 रन बनाए थे जबकि 15 विकेट हासिल किए थे। वनडे में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 58 रन था तो वहीं टी20 इंटरनेशनल में बेस्ट स्कोर नाबाद 26 रन है।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में हारी

बाली (एजेंसी) । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू को इंडोनिशया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चौम्पियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन ने हरा दिया। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू को दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी रेचानोक ने 54 मिनट में 15.21, 21.9, 21.14 से हराया। तीसरी बार सिंधू की सेमीफाइनल में हार थी। इंडोनेशिया मास्टर्स और अक्टूबर में फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल में हारने से पहले तोक्यो ओलंपिक में भी सेमीफाइनल हार गई थी। सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू का रेचानोक के खिलाफ इस मैच से पहले 4.6 का रिकॉर्ड था। वह पिछले दो मुकाबले भी हारी थी। सिंधू ने अच्छी शुरूआत करते हुए जल्दी ही 8.3 की बढत बना ली। रेचानोक ने यह अंतर 9.10 कर दिया और ब्रेक तक सिंधू के पास एक ही अंक की बढत थी।

जोकोविच के दम पर सर्बिया ने डेविस कप फाइनल्स में आस्ट्रिया को हराया

इंसब्रक (आस्ट्रिया) (एजेंसी) । शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच ने डेविस कप फाइनल्स में सर्बिया को जीत दिलाई जबकि 40 वर्ष के फेलिसियानो लोपेज ने गत चैम्पियन स्पेन को शानदार शुरूआत दिलाई और युवा इतालवी टीम ने 32 बार के चैम्पियन अमेरिका को हराया।

जोकोविच ने डेनिस नोवाक को 6.3, 6.2 से मात देकर सर्बिया को मेजबान आस्ट्रिया पर 2.0 से बढत दिलाई। वहीं दुसान लाजोविच ने गेराल्ड मेल्जर को तीन सेटों में हराया। डेविस कप एकल मैचों में जोकोविच का विजय अभियान 15 मैचों का हो गया है।

वहीं मैड्रिड में ग्रुप ए के मुकाबले में स्पेन को इक्वाडोर पर बढत मिल गई जब लोपेज ने राबर्टो किरोज को ? 6.3, 6.3 से मात दी। पाब्लो कारेनो बस्टा ने इसके बाद एमिलियो गोमेज को हराया।

लोपेज को एकल मुकाबला इसलिये खेलना पड़ा क्योंकि कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के कारण कार्लोस अलकाराज टीम से बाहर हो गए थे। ग्रुप ई में अमेरिका को इटली ने हराया। लोरेंजो सोनेगो ने रीली ओपेलका को 6.3, 7.6 से मात दी जबकि जानिक सिनेर ने जॉन इसनेर को 6.2, 6.0 से हराया। युगल में राजीव राम और जैक सॉक ने फेबियो फोगनिनी और लोरेंजो मुसेती को हराकर स्कोर 2.1 कर दिया।

अश्वगंधा के 5 जबरदस्त फायदे, लेकिन ध्यान रहे देती नुकसान भी...

अश्वगंधा एक आयुर्वेदिक औषधि है जो कई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखती है। अश्वगंधा का प्रयोग कई बीमारियों में दवा के रूप में किया जाता है। अश्वगंधा दवा, चूर्ण, कैप्सूल के रूप में आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगी। कई रोगों में तो अश्वगंधा रामबाण की तरह है। सदियों से अश्वगंधा को जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इस जड़ी-बूटी के बड़े ही असरकारी परिणाम हैं। अश्वगंधा के क्या फायदे हैं और क्या नुकसान बताएंगे आपको अश्वगंधा से जुड़ी हर जानकारी।

अश्वगंधा के चमत्कारिक फायदे

इम्युन सिस्टमः अश्वगंधा में मौजूद ऑक्सीडेंट आपके इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करता है। जो आपको सर्दी–जुकाम जैसी बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। अश्वगंधा वाइट ब्लड सेल्स और रेड ब्लड सेल्स दोनों को बढ़ाने का काम करता है। जो कई गंभीर शारीरिक समस्याओं में लाभदायक है।

स्ट्रेस - मानसिक तनावः अश्वगंधा मानसिक तनाव जैसी गंभीर समस्या को ठीक करने में लाभदायक है। एक रिपोर्ट के अनुसार तनाव को 70 फीसदी तक अश्वगंधा के इस्तेमाल से कम किया जा सकता है। दरअसल आपके शरीर और मानसिक संतुलन को ठीक रखने में असरकारी है। इससे अच्छी नींद आती है। अश्वगंधा कई सम्स्याओं से छुटकारा दिलाने का काम कर सकता है।

सफेद पानी (लिकोरिया): महिलाओं में सफेद पानी की वजह से उनका शरीर कमजोर होने लगता है। जिसका असर उनके गर्भाशय में भी पड़ता है। लेकिन अश्वगंधा के सेवन से महिलाओं को इस रोग से निजात मिल सकती है।

कैंसरः कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी में बहुत असरकारी है अश्वगंधा का इस्तेमाल। कई रिसर्च में यह बताया गया है कि अश्वगंधा कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और कैंसर के नए सेल्स नहीं बनने देता। यह शरीर में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का निर्माण करता है। जो कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरपी से होने वाले साइड इफेक्ट्स से भी बचाने का काम करता है।

आंखो की रोशनीः अश्वगंधा का इस्तेमाल आपकी आंखो की रोशनी को बढ़ाने का काम करता है। रोज दूध के साथ लेंने से आंखो के अलावा स्ट्रेस से भी बचा जा सकता है।

अश्वगंधा के नुकसान

- e अश्वगंधा का ज्यादा प्रयोग आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। अश्वगंधा के ज्यादा इस्तेमाल से आपको बुखार, थकान, दर्द की शिकायत भी हो सकती है।
- e अश्वगंधा का अधिक इस्तेमाल पेट के लिए हानिकारक हो सकता है। इसको लेने से डायरिया की समस्या हो सकती है। इसलिए इसके इस्तेमाल से पहले आप डॉक्टर की सलाह लें उसके बाद ही इसका सेवन करें।
- e बल्ड प्रेशर से ग्रस्त लोगों को अश्वगंधा डॉक्टर के परामर्श से ही लेना चाहिए। जिनका बीपी लो होता है उन्हे अश्वगंधा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- e अश्वगंधा का सही डोज न लेने से आपको उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- e अश्वगंधा का इस्तेमाल नींद के लिए अच्छा है। लेकिन इसका बहुत दिनों तक इस्तेमाल आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है।

एक्सरसाइज की शुरुआत करने में मदद करेंगे ये आसान टिप्स

हम सभी जानते हैं कि व्यायाम फिट रहने, आपकी ऊर्जा बढ़ाने, मोटापे से बचने और कई पुरानी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। एक नियमित फिटनेस रूटीन आपको मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से बचने, नींद में सुधार करने में भी मदद कर सकती है।

यदि आप फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो नियमित व्यायाम आवश्यक है। इसका कोई विकल्प नहीं है। किसी भी एक्सरसाइज रूटीन को शुरू करने के बाद ही आपको लाभ दिखने लगेगा। लेकिन अधिकांश लोग एक्सरसाइज रूटीन की शुरुआत नहीं कर पाते हैं, यह करना काफी मुश्किल लगता है। हालांकि, अगर आपने अपना मन बना लिया है और दृढ़ संकल्प है, तो यह करना आसान है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं, तमाम तरह की रूकावटें उन्हें ऐसा करने से रोकती हैं। आप हमेशा आलस्य महसूस करते हैं। अगर आप भी खुद को एक फिटनेस रूटीन बनाने के लिए प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। यहां हम बिगिनर के लिए कुछ उपाय बता रहे हैं जो आपकी हेल्प कर सकते हैं।

अपने फिटनेस रूटीन को शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

आप एक ऐसा फिटनेस रूटीन चुनें जो आपको इस पर बने रहने में मदद करे। अपने लक्ष्यों के बारे में यथार्थवादी बनें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, यदि आपको कोई स्वास्थ्य जटिलताएं हैं, तो पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें। वह आपको एक अच्छी और सुरक्षित शुरुआत के लिए मार्गदर्शन करने में मदद करेंगे। धीमी शुरुआत करें और धीरे-धीरे तीव्रता की ओर बढ़ें। आजकल हर कोई व्यस्त जीवन जी रहा है। तो, 'समय' हमेशा एक समस्या है। व्यायाम के लिए एक समय निर्धारित करें और उससे चिपके रहें। यदि आप एक घंटे का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो इसे 30 या 15 मिनट करें। लेकिन इसे हर दिन करें।

एक बहुत ही सामान्य गलती जो बिगिनर करते हैं, वह यह है कि वे पहले दिन से ही तीव्र व्यायाम में जुट जाते हैं। इससे चोटों का खतरा बढ़ जाता है। बस याद रखें कि अधिक मात्रा में कुछ भी स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। यही हाल व्यायाम का भी है। आप खुद को एक दिन का अवकाश भी दे सकते हैं। इससे आपको अपने फिटनेस रूटीन में नए जोश के साथ आने में मदद मिलेगी।

बिगिनर के लिए फिटनेस रूटीन टिप्स

- Â दिन में बहुत सारा पानी पीएं। यह आपको डिहाइड्रेशन से बचने में मदद करता है। क्योंकि आप एक्सरसाइज के दौरान काफी पसीना बहाते हैं।
- Â स्वस्थ भोजन का सेवन करें। यह आपके फिटनेस रूटीन को सपोर्ट करेगा। उचित और अच्छी तरह से संतुलित भोजन लें, जिसमें फल और सब्जियां शामिल हों।
- Â अपने आहार में स्वस्थ कार्ब्स शामिल करें। यह मांसपेशियों की रिकवरी में सहायता करेगा और आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएगा।
- Â प्रोटीन का सेवन जरूर करें। ये मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद करते हैं। यह ऊतकों की तेजी से चिकित्सा और मांसपेशियों के निर्माण की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- Â सभी वसा खराब नहीं हैं। स्वस्थ वसा वास्तव में आपको तेजी से वसा जलाने में मदद कर सकते हैं। यह ऊर्जा के स्तर को भी बढ़ाएगा और आपको लंबी अवधि तक काम करने में मदद करेगा।
- Â आपनी फिटनेस रूटीन से पहले वार्मअप करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको चोटों के जोखिम से बचने में मदद करेगा। यह शरीर को फ्लेक्सीबिलिटी प्रदान करेगा।

हाइट बढ़ाने के 5 घरेलू नुस्खे, जो बढ़ाएं लंबाई

अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। लम्बाई आपके व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है। अच्छी हाइट पाने के लिए बच्चे हों या बड़े सभी उत्सुक रहते हैं। क्योंकि अच्छी हाइट से व्यक्तित्व में और निखर आ जाता है। अच्छी हाइट होने से आत्मविश्वास भी बढ़ता। दरअसल ह्यूमन ग्रोथ के साथ ही हाइट भी बढ़ती है। लड़कियों की लंबाई आम तौर पर 18 साल की उम्र तक बढ़ती है। आपकी हाइट कितनी अच्छी निकलती है यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी डाइट कैसी है। लोग हाइट बढ़ाने के लिए तरह-तरह की दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। जो आपके शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं। लेकिन आयुर्वेद में कई ऐसे उपाय और औषधि हैं जिनके द्वारा आपको अच्छी हाइट मिल सकती है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घरेलू नुस्खों से अच्छी हाइट पा सकते हैं।

लंबाई बढ़ाने के घरेलू उपाय

खान-पान का सही चुनावः अच्छी हाइट के लिए सबसे जरूरी है हेल्दी डाइट, खाने में आप क्या लें रहे हैं, उससे आपके शरीर की ग्रोथ पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए आपको खाने में विटामिन, कैल्शियम, जिंक प्रोटीन और फास्फोरस की मात्रा और पीने में दूध, जूस, अधिक लेना चाहिए। इनके इस्तेमाल से हाइट बढ़ती है। लेकिन आप को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आप ज्यादा चीनी के इस्तेमाल से परहेज करें।

योगा एक्सरसाइजः योगा और एक्सरसाइज के द्वारा लम्बाई बढ़ाई जा सकती है। एक्सरसाइज, योगा को प्रतिदिन करना चाहिए इससे आपका शरीर चुस्त–दुरुस्त रहता है। जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। लम्बाई के लिए तड़ासन क्रिया करना बहुत लाभदायक है। कैसे करें तड़ासन, सबसे पहले सीधे खड़े हो जायें हाथ ऊपर कर लें उसके बाद गहरी सांस लें और हाथों को धीरे–धीरे ऊपर उठाते हुए पैर की एड़ियों को भी उठाएं। इससे आपके शरीर में खिचाव होने से यह लम्बाई बढ़ाने में फायदेमंद साबित हो सकता है।

भरपूर नींदः सेहत के लिए पर्याप्त नींद बहुत जरूरी होती है। अच्छी जीवनशैली में नींद पूरी होना बहुत महत्वपूर्ण है। लेकिन अधिक नींद से आपकी हाइट भी बढ़ सकती है सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है लेकिन यह सच है। अगर आप ज्यादा सोते है तो आपके शरीर में ऊतको का उत्सर्जन होता है जो लम्बाई बढ़ाने में मदद करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को 7–8 घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए।

पानी का अधिक इस्तेमाल करेंः खूब पानी पीयें ,पानी का अधिक इस्तेमाल करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। ज्यादा पानी पीने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। जिससे शरीर की ग्रोथ में कोई परेशानी नहीं होती। पानी का अधिक इस्तेमाल पेट गैस को भी कम करता है। जिससे शरीर के हार्मोंस को बढ़ने में मदद मिलती है।

चलने और सोने का सही तरीकाः अच्छी हाइट के लिए आपको चलने–फिरने, बैठने और सोने का तरीका ठीक रखना पड़ेगा। अक्सर लोग सोते समय यह ध्यान नहीं देते कि उनका शरीर अनुचित मुद्रा में है। जो आपके शरीर की लम्बाई में बाधक हो सकता है। इसलिए सीधी मुद्रा में सोना चाहिए। सिर और गर्दन को चलते समय झुकाकर नहीं चलना चाहिए।

कॉफी स्क्रब के सामने बेअसर हैं सभी फेसपैक्स, ऐसे करें इस्तेमाल

खूबसूरत और दमकता हुआ चेहरा किसे पसंद नहीं होता। इसके लिए आप पार्लर में हर महीने हज़ारों पैसे खर्च करते होंगे। यहां तक कि कई लोग चेहरे को बेदाग़ बनाने के लिए महंगे लेज़र ट्रीटमेंट का भी सहारा लेते हैं। हालांकि इसमें ज़्यादा पैसे भी खर्च होते हैं और साथ ही साइड-इफेक्ट्स का ख़तरा भी रहता है। ऐसे में कुछ उपाय ऐसे भी हैं जिनसे आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए चेहरे पर निखार पा सकती हैं। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही ब्यूटी सीक्रेट के बारे में जिससे आपका चेहरा खूबसूरत और दमकता हुआ दिखेगा और साथ ही ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे।

ये सीक्रेट छिपा है कॉफी में। आप शायद ही कॉफी के गुणों के बारे में जानती हों। कॉफी पीने में जितना मज़ा आता है उतने ही इसके त्वचा पर फायदें हैं। चेहरे पर अगर आप कॉफी इस्तेमाल करती हैं तो ये आपको ब्यूटी पॉर्लर के फैशियल से भी बेहतर निखार दे सकता है। साथ ही कॉफी में एंटी एजिंग एजेंट भी पाए जाते हैं इसलिए इसके लंबे समय तक इस्तेमाल से आपकी त्वचा ज्यादा उम्र तक खूबसूरत रहेगी।

कॉफी से आप कैसे फेसपैक तैयार कर सकती हैं

कॉफी स्क्रब: चेहरे पर निखार लाने के लिए कॉफी बेहद फायदेमंद है। इसके साइड इफेक्ट्स भी नहीं हैं। आपके चेहरे पर कैसे भी दाग–धब्बे हों, कॉफी फैशियल इनसे छुटकारा दिला सकता है। ये आपके चेहरे को बिल्कुल बेदाग़ और रिफ्रेश कर देता है। कॉफी चेहरे से डेड स्किन हटाने का काम करती है, जिससे त्वचा मुलायम हो जाती है और चेहरे की चमक भी बढ़ जाती है।

ऐसे बनाएं कॉफी स्क्रब

- Â एक कटोरी में एक छोटा चम्मच कॉफी पाउडर लें।
- Â अब इसमें थोड़ा सा चावल का आटा मिला लें। चावल का आटा आपको मार्केट में भी मिल सकता है या फिर आप थोड़े से चावल मिक्सी में पीस सकती हैं।
- Â अब इसमें 2 छोटे चम्मच कच्चा दूध, एक छोटा चम्मच नींबू का रस और एक छोटा चम्मच शहद भी मिला लें।
- Â फिर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे और गर्दन पर लगाकर स्क्रब करें।
- Â चेहरे पर करीब 10 मिनट तक स्क्रब करते हुए मसाज करें। फिर पानी से चेहरे को धो लें।
- Â हफ्ते में 4 दिन इस पैक को लगाएं इससे आपका चेहरा बिल्कुल खिल उठेगा।

सर्दियों में साइनस के दर्द से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 5 उपाय

सर्दियों में सेहत से जुड़ी कई परेशानियां भी शुरू हो जाती है। ऐसे में जिन लोगों को साइनस से जुड़ी परेशानी होती है, उनके लिए सर्दियां बहुत मुश्किल भरी होती है, अगर आपको या आपके किसी करीबी को भी ऐसी समस्या है, तो कुछ ऐसे प्राकृतिक उपाय हैं, जिन पर अमल करके आप काफी हद तक अपनी परेशानी कम कर सकते हैं-

इन उपायों से करें साइनस का दर्द कम-

सेब का सिरका

सेब का सिरका भी साइनस के लिए लाभदायक दवा है। सेब के सिरके में मौजूद औषधीय गुण होते हैं, जो साइनस की समस्या से निजात दिला सकते हैं। सेब का सिरका एक सटीक घरेलू उपचार है।

स्टीम लें

आप पानी में चुटकी भर नमक या बाम डालकर स्टीम लें। रोजाना 5-6 मिनट ऐसा करने से न सिर्फ आपको साइनस के दर्द से राहत मिलेगी बल्कि इससे आपके चेहरे पर भी काफी असर पड़ेगा7

प्याज का रस

साइनस संक्रमण से निजात पाने के लिए आप प्याज के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। प्याज में एंटी बैक्टीरिया वाले तत्व पाए जाते हैं, जो साइनस संक्रमण के इलाज के लिए उपयोगी माने गए हैं।

प्राकृतिक तेल

साइनस का उपचार विभिन्न प्राकृतिक तेलों से किया जा सकता है। इसमें लैवेंडर, पुदीना, नींबू, पाइन व लौंग आदि शामिल हैं। ये तेल काफी लाभदायक होते हैं, जिनसे छाती, नाक व सिर की मालिश करने से आराम मिलता है।

लेमन बाम

साइनस की समस्या से निजात पाने के लिए लेमन बाम भी एक गुणकारी नुस्खा है। यह पुदीने के परिवार का ही एक बारहमासी पौधा है। इसका इस्तेमाल बुखार, जुकाम या फ्लू के उपचार के लिए किया जाता है।

क्या है साइनस

साइनस नाक से जुड़ी एक समस्या है। इसमें पीड़ित की नाक और आसपास और सिर के आधे भाग में दर्द होने लगता है। सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है, इसमें आपका नाक बंद होना, सिर में दर्द और नाक से पानी गिरने जैसे लक्षण होते हैं।

रेसिपी

चीज नमकपारे

सामग्री

- Â मैदा- 2 कप
- Â प्रोसेस्ड चीज़- 1/2 कप (कद्दूकस किया)
- Â घी- 2 टेबलस्पून
- Â गुनगुना दूध- 1/2 कप
- Â नमक- स्वादानुसार
- Â अजवाइन- आधा टीस्पून (बारीक कुटी हुई)
- Â तेल- तलने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, घी, नमक, अजवाइन और चीज़ डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें और थोड़ा-थोड़ा गुनगुना दूध डालते हुए हल्का सख्त आटा गूंथ लें। इसे ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। फिर आटे को 4 मिनट तक मसल लें। अब आटे को चार बराबर भागों में बांट लें और गोल लोई बनाकर पतला बेल लें। फिर इसे चाकू से छोटे टुकड़ों में काट लें। कढ़ाही में तेल गरम करें। तेल गरम होने पर इसमें नमकपारे डालकर डीप फ्राई करने के लिए डाल दें। नमकपारों को हल्का ब्राउन होने तक फ्राई कर लें। फिर इन्हें नैपकिन पेपर बिछाकर प्लेट में निकाल लें और अपने गेस्ट्स को सर्व करें।

बाकरवड़ी

सामग्री

Â मैदा- 1 कप Â बेसन- 2 टेबलस्पून Â इमली की मीठी चटनी- 2 टीस्पून Â सूखा नारियल- 1 टेबलस्पून (कद्दूकस) Â तिल- 1 टेबलस्पून Â चीनी- 2 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून Â सौंफ पाउडर- 1/2 टीस्पून Â जीरा- आधा टी स्पून Â हल्दी पाउडर- 1/4 टीस्पून Â अदरक पाउडर- 1/4 टीस्पून Â गरम मसाला- 1 चौथाई टीस्पून Â नमक- स्वादानुसार Â अजवाइन- 1 टीस्पून Â रिफाइंड ऑयल- 2 टेबलस्पून (आटे के लिए) Â रिफाइंड ऑयल- फ्राई करने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, ऑयल, अजवाइन, नमक और बेसन डालकर मिक्स करें। थोड़ा–थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंद लें। आटे को 15 मिनट के लिए ढककर रख दें। तिल, नारियल पाउडर, चीनी, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, जीरा, लाल मिर्च, नमक, हल्दी, अदरक पाउडर, गरम मसाला को मिक्सर में डालकर बारीक बना लें। गूंदे आटे को हाथ पर तेल लगाकर अच्छी तरह मसल कर चिकना कर लें। छोटी–छोटी लोई बनाकर न ज्यादा पतला और न मोटा बेलें। बेली गई पूड़ी को 2 भागों में काट लें। पूरी के दोनों भागों पर चटनी डालकर चारों ओर अच्छे से फैला दें। किनारा थोड़ा छोड़ दें। इसमें 1 छोटा टी–स्पून मसाला डालकर फैला दें। फिर जो खाली जगह छोड़ी है, उसके किनारे पर पानी लगा दें। फिर इसमे रोल करें और चिपका दें। दोनों खुले किनारों को दबाकर बंद कर दें और हाथों से रोल करते हुए थोड़ा सा पतला और लंबा कर लें। फिर इसके आधा इंच के टुकड़े काट लें और आधा घंटे के लिए ऐसे ही खुले छोड़ दें। कढ़ाई में तेल गरम कर एक–एक करके टुकड़ों को तेल में डालें। मीडियम आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें। ठंडा होने सर्व करें।